

3968

आयु पर पहुंचने पर 28-2-1979 के अपराह्न में मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 04107—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय भारत मौसम विज्ञान विभाग, में सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० के० बनर्जी निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31-1-79 के अपराह्न में मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 5 मई 1979

सं० ई० (1) 04255—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० बी० घोष निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31-3-1979 के अपराह्न में मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 05493—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० के० बन्द्वोपाध्याय निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 28-2-79 के अपराह्न में मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुख राम गुप्ता,
मौसम विज्ञानी,
कृत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

सं० ए० 32014/2/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ई० सी० खाल, संचार सहायक, वैमानिक

सं० ए० 32014/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित भारत तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रयोक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्र० स०	नाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार सभालने की तारीख
1. श्री एस० एन० सम्पत	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एफक,	26-3-1979 (पूर्वाह्न)	
2. श्री ई० एस० कृष्णमूर्ति	नई दिल्ली। वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	29-3-1979 (पूर्वाह्न)	
3. श्री के० श्रीनिवासन	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	29-3-1979 (पूर्वाह्न)	
4. श्री एन० एन० नमियार	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	31-3-1979 (पूर्वाह्न)	

सं० ए० 32013/9/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 29 जुलाई, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ईसी और दिनांक 22-9-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/78-ई० सी० के मद सं० 1 और 4 के संशोधन के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थं नियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई अवधि के लिए और तैनाती स्टेशन पर जारी रखने की मंजूरी दे दी है:—

क्र० स०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थं नियुक्ति जारी रखने की अवधि
1. श्री० सी० रेडडी	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एफक, नई दिल्ली	31-12-78 के बाद 30-1-80 तक	
2. टी० आर० शास्त्री	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	28-11-78 के बाद 29-11-79 तक	

1	2	3	4
3.	एम० अरुलदास	धनीय नियंत्रक संचार, मद्रास	27-9-78 के बाद 28-9-79 तक
4.	टी० एन० मेहता	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास परिषद, नई दिल्ली	27-9-78 के बाद 31-12-78 तक
5.	के० चन्द्रचुदन	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	27-9-78 के बाद 28-9-79 तक
6.	एन० आर० एन० अथंगर	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	27-9-79 के बाद 28-9-79 तक

इस विभाग की दिनांक 3-4-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/78-ई० सी० एतव्याग्रह की जाती है।

दिनांक 3 मई 1979

सं० ए० 32014/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित चार तकनीकी सहायकों को उनके नाम के मामले दी गई तारीख से और स्टेशन पर नियमित आधार पर महायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री च० वेंकटचालम	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	30-3-1979 (अप्र०)
2.	श्री व० कुमार	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	30-3-1979 (पूर्वाह्न)
3.	श्री वी० बी० चौगुले	वै० सं० स्टेशन, ओरंगाबाद	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	31-3-1979 (पूर्वाह्न)
4.	श्री वी० के० रस्तोगी	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	31-3-1979 (पूर्वाह्न)

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल, 1979

सं० ए० 39013/5/79-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम० एम० सुन्दरम्, महायक विमान क्षेत्र अधिकारी, हैदराबाद एयरपोर्ट का दिनांक 22 मार्च, 1979 (अप्र०) से सरकारी सेवा से स्थायी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

वी० वी० जौहरी
महायक निदेशक प्रशासन

के० बोस को एकदम तदर्थं आधार पर 25 मई, 1978 के पूर्वाह्न से और अगले आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एच० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1979

सं० ए० 12022/1/79-ई०—I—राष्ट्रपति ने भारतीय सांस्कृतिक सेवा के स्थानापन्न ग्रेड IV अधिकारी श्री के० एस० बेदी को दिनांक 12 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में सांस्कृतिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स
महायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22 दिनांक 28, अप्रैल 1979

सं० ए० 19012/690/78-प्रशा०-V—ग्राम्यक, केन्द्रीय जल आयोग श्री थमनजीत सिंह, पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रो० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 14 अप्रैल, 1978 की पूर्वाह्न से पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थं आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/712/78-प्रशा०-V—ग्राम्यक, केन्द्रीय जल आयोग श्री टी० कप्तन, पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 2 मई 1979

सं० 1/338/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतव्याग्रह नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक, श्री ए०

सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में ० ६५०—
३०—७४०—३५—८१०—द० रो०—३५—८८०—४०—१०००—
द० रो०—४०—१२०० के वेतनमान में ५—५—१९७८ की
पूर्वाह्नि से पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर केन्द्रीय
जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने
तक, नियुक्त करते हैं।

के० के० मा०
अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिवेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

सं० 23/2/73-ई सं० II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर

सरकारी सेवा से, दिनांक 31 मार्च, 1979 (अप्रैल)
को सेवा-नियुक्त हो गए।

नाम	वर्तमान पदनाम
संबंधी	
१. एस० आर० चक्रवर्ती	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), मूल्यन एकक, आयकर विभाग, कलकत्ता।
२. एस० जी० चक्रवर्ती	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) मूल्यन एकक, आयकर विभाग, छिकूगढ़।
३. बी० एम० घोष	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), मूल्यन एकक आयकर विभाग, अजमेर
४. एम० बी० आहूजा	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), मुख्य इंजीनियर (विद्युत) के इंजीनियर अधिकारी, नई घिल्ली।

दिनांक 1 मई, 1979

मं० 33/5/78-ई० भी०—९—निर्माण महानिवेशक, के० लो० नि० वि० ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित नामितों
को सहायक वास्तुकों के अस्थाई पदों पर रूपए ६५०—३०—७४०—३५—८१०—द० रो०—३५—८८०—४०—१०००—द० रो०—४०—१२००
न वेतनमान में उनके आगे लिखी तारीखों से नियुक्त किया है:—

के० सं०	नाम	सहायक वास्तुक के पद पर नियुक्ति की तारीख	वेतन
१. श्री आर० एम० कब्रोजिया	.	4-4-1979 (पूर्वाह्नि)	रूपए ८१०/- प्रतिमास वेतनबृद्धि की अगली तारीख १-४-८०।
२. श्री बी० एम० कपूर	.	28-3-1979 (पूर्वाह्नि)	रूपए ७१०/- प्रतिमास वेतनबृद्धि की अगली तारीख १-३-१९८०।

२. दोनों अधिकारियों की महायक वास्तुकों के नाते उनकी नियुक्ति से २ वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा।

३. श्री कब्रोजिया, वरिष्ठ वास्तुक (उ० अंचल)-१० एकक, के० लो० नि० वि०, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली में काम करते
हैं और श्री कपूर की नैनाती वरिष्ठ वास्तुक (ग्र० अंचल)-१०, एकक, के० लो० नि० वि०, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली में
८-३-१९७९ (पूर्वाह्नि) से की जाती है।

उत्तर रेलवे

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल, 1979

सं० प्रश्ना०/17-22/73—निदेशक लेखा] परीक्षा, उत्तर रेलवे ने मर्वेश्वी नद्या लाल चौपड़ा, तिलोक चन्द बत्ता, अमर नाथ हंस और अमोलक सिंह को लेखा परीक्षा अधिकारी के कैडर में क्रमणः 1-4-78, 1-4-78, 1-9-78 और 1-12-78 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

कु० भारती प्रसाद
उप निदेशक
लेखा परीक्षा

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य भंगालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड

अहमदाबाद-380 009, दिनांक 3 मई 1979
कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के
अधीन सूचना मैसर्स विमूर्ति एंग्रो केमिकल्स लिमिटेड
के विषय में।

सं० 2047/लिक्विडेशन—कम्पनी अरजी नं० 37/
1977 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख
11-10-1978 के आदेश द्वारा मैसर्स विमूर्ति एंग्रो केमि-
कल्स लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।
जौ० गो० गाथा
प्रमंडक पंजीयक, गुजरात अहमदाबाद

प्राप्ति आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-४ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूवत (निक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 मई, 1979

निवेश सं० बीजीआर/11/78-79—अतः मूँझे ई०

कोशी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-४
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है और

जिसकी सं० प्लाट नं० 292 इन्डस्ट्रीयल एरिया है तथा जो सैक्टर
24 फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख प्रगत्ति, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पश्चात प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवति : —

1. श्री यशपाल लखियानी, 88 तनेजा बलाक आदर्श नगर,
जयपुर.
(अन्तरक)
2. मैसैं पैच० एम० दृश्वर एण्ड को०, प्लाट नं० 291,
सैक्टर 24, फरीदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के साब्द्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसंबद्धी अवित्तियों पर
सूचना जी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोवस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
पर्याप्त होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

प्लाट नं० 292 जिसका शेक्फल 1288.88 वर्ग गज है।
जिसके ऊपर एक शैड बना है। सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं०
3475 में दी गयी जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय
में 23-8-1978 को लिखा गया।

ई० के० कोशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयूक्त (निक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

तारीख: 4-5-1979

मोहर:

प्र० श्री प्र० श्री प्र० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

कोट्चिन-16, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश स० एल० मी० 296/78-79—यत. मूँगे के० नारायणा मेनोन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्रत्र अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुनाद है, तथा जो कायमकुलम मेरियन है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची मेरी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी मेरी रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 9-8-78 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तर्कों) और प्रस्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

प्रोट/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी छन या अन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनतावं अन्तरिती तारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व के पन्तु सख्त में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्ननिमित्त अधिकारी, अर्थात् :—

1. फातिमा बाई और अन्य (प्रस्तरक)

2. पी० आर० नाग॒ और अन्य (अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 Cents of land with building No. KMC XXIV/63 of Kayamkulam village—Vide Schedule to Document No. 1889/78 of SRO, Alleppey.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 27-4-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1979

निवेश नं० एएसआर/बीटीएल/79ब80/23—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रतिक है

और जिसकी सू० कुण्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 52 कनाल है तथा
जो कि गांव चाहल तहसील बटाला में स्थित है (और इससे
उपार्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
प्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पल्दह प्रतिशत से प्रतिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
ज्ञेय से उक्त प्रतरण निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वापर उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या भूम्य आमितियों
ना, (जैसे भारतीय प्रायुक्ति प्रधिनियम, 1922
1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
आयकर का नियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तर्गत इग प्रकट नहीं किया
जाया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, प्रथम प्रधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षितमों, जबति—

1. श्री रघवीर सिंह पुत्र और श्रीमती जोगिन्द्र कौर, भूपिन्द्र
कौर विक्रमजीत कौर, सुविन्द्र कौर दलजीत कौर,
पुन्नीया श्री इज सिंह निवासी चाहल तहसील बटाल
(अन्तरक)

2. श्री सुचा सिंह, जगत सिंह, चनन सिंह पुजान श्री किशन
सिंह, निवासी चाहल तहसील बटाल (अन्तरिती)

3. जैमा कि उपर सं० 2 में और कोई किरायेवार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. चदि और कोई व्यक्ति हम आयदाद में रखी
रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में आधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्धकर)।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन हो नारेख में
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
मूल्यना की नामील में 30 दिन की प्रवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित ये कियं जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के भूम्याय 20-क में पारभाषित
हैं, वही प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया ।

अनुसूची

कृषिभूमि जिसका क्षेत्रफल 52 कनाल है जो कि गांव चाहल
तहसील बटाला में स्थित है जैमा कि रजिस्ट्रेड ऑड नं० 3773
दिनांक 30-8-78 आदि रजिस्ट्री अथारिटी बटाला के कार्यालय
में दर्ज है।

एम०एल० महाजन,

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख . 1-5-79

मोहर :

प्राप्त प्राईंटी एन० एस० —————

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 1 मई 1979

निवेश सं० एएसआर/बीटीएल/79-80/24—यत मुझे एम० प्र० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269प्र के प्रधीन संक्षम अधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग (173 फुट×26 फुट) है तथा जो कि फेजपुर रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से मौर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27 मित्सर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नक्कह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है --

(क) पन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या भूम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प्र के अनुभव में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प्र की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवासि:—

1. श्री गुरुदित्त मिह पुत्र ईश्वर मिह, बटाला, फेजपुर रोड (प्रत्यक्ष)
2. श्री राजीव झुमार पुत्र गोसियां भवानी दाम, सोम नाथ पुत्र श्री कुदन लाल 1/2 भाग फेजपुर रोड, बटाला (अस्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायदार हो तो । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में दस्ती रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोइस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के नियमावधियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्रावेप ॥

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्राप्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिवर्तित हैं वही अर्थ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 20 मरले जिसमें एक छाड़ (मोलिंग शैड बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल 55 फुट×21 फुट जो कि फेजपुर रोड, बटाला में स्थित है (म्यूनिसिपल हैद में) जैसा कि रजिस्ट्रेड छाड़ न० 4044 दिनांक 27-9-78 द्वारा रजिस्ट्री अथारिटी बटाला के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन
संक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 1-5-77

मोहर:

प्रकृष्ट धार्मिक एवं एस०-

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1979

नं० एमक्य०-23-I-1919(809) 10-1/78-79—श्रतः

मुझे एस० मी० परीख

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० (1/2 हिस्सा जमीन तथा मकान में) है। तथा जो यमुबा गर्ल्स हाईस्कूल के पास, जामनगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री दुर्मालजी दयालजी बुध तथा (2) श्री किशोर प्राणजिथन बुध मैसर्स बिमलकिशोर एण्ड० कं० के पार्टनर्स गोलेक्सी टॉकीज के पास, जामनगर।

(प्रन्तरक)

3—76GI/79

- 2 मुझा रमेश क० प्रा० निमिटेड 7-डोनाटेड कॉम नं०४ बम्बई-९
(अन्तरित)
3. (1) श्री भवान खीमजी
(2) श्री भृपनमीम सवजी
(3) श्री केशवजी अमरणी
(4) श्री मान अमरणी
(5) श्री नटवरलाल हीगलाल
(6) श्री एम० एम० लालानी
(7) श्री रविशंकर दयाशंकर
(8) श्री वीठल जागजी
(9) श्री जेराम दामा
(10) श्री राजीलाल गयाशंकर
(11) युनाइटेड, कोमर्शियल बैंक
ममी—यमुबा हाईस्कूल के मामने दिपक टोकीम जामनगर।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमुबा

जमीन तथा मकान में 1/2 हिस्सा जिसका सीटी मर्वे नं० 80 ए 6 है तथा जो, 1319-70 वर्ग मीटर क्षेत्रफलवाली जमीन पर यमुबा गर्ल्स हाईस्कूल के पास, जामनगर में स्थित है तथा तारीख 14-8-1978 में रजिस्ट्री करवाये गये विक्री दस्तावेज नं० 1741 में जिसका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० मी० परीख,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त
ग्रन्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख: 25-4-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं 41/प्रगस्त/78—यतः मुझे, ओ० आनन्द राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो प्रसम्भूर गांव, एरकाड तालुका
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०
एरकाड डाकु 148/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16 के अधीन 21-8-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. फावर मैकेल दूरसामी (अन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० ललीता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

अग्रीकलचरल भूमि और काफी एस्टेट, प्रसम्भूर गांव,
एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 27-4-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एस० ----

1. फादर मैकेल दूरैसामी

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री टी० एस० नरसिंहन

(अन्तरिती)

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 प्रैल, 1979

निदेश सं० 42/अगस्त/78—यतः मुझे आरो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४ के अधीन मक्का प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० काफी एस्टेट है, जो अमम्बूर गांव, एरकाड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० आर०, एरकाड (डाक सं० 149/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) तेजी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-४ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहाँ अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अग्रीकलचरल भूमि और काफी एस्टेट, अमम्बूर गांव, एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम
सक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 27-4-79

मोहर :

प्रस्तुत प्राई. टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० 43/अगस्त/78—अतः गुप्ते, ओ० आनन्दगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० काफी एस्टेट है, जो अमम्बूर गांव, परकाड़ तालुका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०, परकाड़ (डाक मं० 150/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. फावर मैकेल दोरैसामी

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० वसन्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नियमिती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Part of property as in Document No. 150/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

ओ० आनन्दगम,
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 27-4-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० ४१/अग्रन्त/78—यत् मेरे ओर आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा० द्य० विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो एकाड तालुका में स्थित है (और इसमें उपावड़ में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०, एरकाड (डाक सं० 151/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चर्चण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ढर से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; तोरणा

(ख) ऐसी किमा ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिस्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|----------------------------|------------|
| 1. पादर मैकेल दूरैसामी | (अन्तरक) |
| 2. श्रीमती टी० एन० वैश्मनी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नीई भी आप्तिप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बर्दी अवधियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में में किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताक्षरी ते पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और वह का, जो उक्त अधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिचारित हैं, वही अर्थ होया, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

अधीकलचरल भूमि और काफी एस्टेट, असम्बूर गांव, एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 27-4-79
मोहर :

बाई० टी० एन० इस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, । मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० 45/प्रगस्त/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इप्पे से अधिक है और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो असम्भूर गांव, एरकाड तालुका में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०, एरकाड (डाक सं० 152/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भल्लरक (प्रभर्कों) और भल्लरिता (भल्लरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री फादर मैकेल द्वैरसामी (प्रन्तरक)

2. कुमारी टी० एन० गीता (अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के संबंध में कोई भी प्राप्तोप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में यमात्प होगी तो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिन द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद कियो गया अधिन द्वारा अश्रोद्धामीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपुढ़ा शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कियो आप या किसी बत या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रत्युत्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

अमीरकलबरल भूमि काफी एस्टेट, असम्भूर गांव, एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम,
संसाधन प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 27-4-79
मोहर:

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० 46/प्रगस्त/78—यतः मुझे ओ० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो असम्भूर गांव, एरकाड तालुका में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, एरकाड (छाक सं० 153/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फादर मैकेल द्वैरेमामी

(अन्तरक)

2. श्री टी० एन० मेकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के मम्बन्ध में रोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गएगे।

उपर्योग :—इसमें प्रपुका शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अँ दाग जो उा अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रीकलबरल भूमि और काफी एस्टेट, असम्भूर गांव, एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम,
प्रायकर अधिनियम
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 27-4-79

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिणा

भटिणा, दिनांक 7 मई 1979

निवेश नं० प्री 555/बीटीआई०/79-80—यतः मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य में लिखा है तथा जो भटिणा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त ममति ने उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) पेंसी किसी आय या किसी घन या गम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के प्रस्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी द्वाष्णा कुमारी उर्फ़ कुण्ठरंवा पुत्री गोहन लाल, 387-ए०, पावर हाउस रोड, भटिणा। (अन्तरक)
2. थो वर्षीय मिह, गुरा मिह, मुपुव जागीर मिह (2) मुद्रदेव मिह रत्नीत मिह मुपुव गखन मिह, ग्राम तुंगवाली भटिणा। (अन्तरिती)
3. जैगा कि नं०.२ में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति गे सचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी गम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पत्वोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के गम्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होणा, जो उस गम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान, पावर हाउस रोड, भटिणा जैमा कि विलेख नं० 3507 मितम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
मकान प्राधिकारी
ग्रामकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिणा

तारीख: 7-5-79

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिण्डा
भटिण्डा, दिनांक 7 मई 1979

निवेश नं० एपी 556/बीटीआई०/79-80—यतः मुझे

पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है। (और इससे उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्तम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डित प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अस्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिन्दे में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपस्थारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

4—76GI/79

1. श्री श्रीमती प्रीतम कौर विधवा मोहन लाल एच-387/ए, पावर हाउस रोड, भटिण्डा (अन्तरक)
2. श्री बख्शीश मिह, गुरा भिंह सपुत्र जागीर मिह, (2) सुखदेव मिह, रन्जीत मिह पुत्रान मखन मिह वासी गांव तुगवाली जिं० भटिण्डा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तम्बन्धी अवक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान, पावर हाउस रोड, भटिण्डा, जैसा कि विलेख नं० 3506, मित्तम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिण्डा

दिनांक : 7-5-1979

मोहर :

पम्बर आई० टो० एन० १८०—

आकाशवान् प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सचना।

भारत भरका

कार्यालय, भद्रायक व्यायकर व्यायुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक व्यायकर व्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निवेद नं० ए० आर०-१/4024-७/प्रकृत० ७८—अनु: मुझे,
वी० एम० शेषाद्री

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 546 माल और खंडाला हिल
दिवीजन है तथा जो . . . में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 6-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्लिन
के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्लिन से ऐसे बृशमान प्रतिक्लिन का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पारा गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण निषित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दागिन्द्र
गे कर्मा करने या उसमें छेने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन या अन्य शास्त्रियों
दो, जिन्हे भारतीय व्यायकर समिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व निः-

धारा: पव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) 1. जगदीश अमृतनाल नरिया, 2. दिलीप वान-
चन्द्र मेहता। (प्रन्तरक)
- (2) रूपशी जयचन्द्र शेठ (2) मिसेम प्रेमूबाई रूपशी
शेठ। (अन्तरिक्ती)
- (3) 1. मिसेम शकुंतला कदम
2. मिसेम, रुधीबेन शमदामानी
3. रूपशी जैचन्द्र शेठ
4. वी० वी० अडारकर
5. वी० एम० कमबेकर
6. जे० महता एण्ड कमनी (पार्ट आफ आउटहाउस)
7. वी० वाई० टोन्डे (पार्ट आफ फ्लॉर फोर आफ आउट-
हाउस) (वह अर्कित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त ममानि के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त ममानि के अर्जन के मंदिर में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तब्दी अन्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बा.
में यमान द्वारी हो, के भीतर पूर्वोक्त वाक्तियों में न
किसी व्यक्तिप्रति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अनुसूची अन्तिक्ती द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

पूर्वोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-ए में परिभाषित हैं,
वही प्रयोग होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 586/78 और द्वी बम्बई
उक्तरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-10-78 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

वी० एम० शेषाद्री

ममान प्राधिकारी

महापाल व्यायकर व्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश स० प०आर०आई/4066-39/78—अत.मुझे वी०
एस० शेपार्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० सा० एन० न० 10/593 मालाबार और कंस्वाला हिन्दू डिवीजन है तथा जो . . . में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रोरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए,

५ अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1 श्री कें जे० खंडा, 2. बी० एच० भिंडीवाला,
3. टी० पी० मेहता, 4. पी० के० खंडा—द्रस्टी
के सेठ फिरोजशाह आर० मेहता और बाई दिनबाई
फिरोजशाह मेहता चेरिटि ट्रस्ट, । (अन्तरक)

(2) मिसेम नाजमी ए० टोबाकोवाला एस० ए० टोबाकोवाला
एम० एच० ए० टोबाकोवाला ।

(अन्तरिती)

(3) 1. मिसेम ए० एम० जवेशी
2. मुजतान नाथानी
3. एच० जी० मलकानी
4. पी० आर० वालेस और मन्थ
5. मिसेम पी० वी० टाटा
6. एम० जे० चौक्सी
7. मिसेम आर० एफ० अंलान
8. (1 गेरेज) मिसेम आर० एल० अलान

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए राजीवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक नमूने में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनेक न० बम्बई 1289/77 उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 21-10-78 को रजिस्टर किया गया है।

बी० एम० शेपार्डी,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-१, बम्बई

तारीख: 30-4-79

माहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 480/टी० आर०-457/C-406/कल०-2/78-79—
यत्, मुझे आई० वी० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन संभास अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थापत्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो ओरियन्ट रो० पार्क कलकत्ता-17
में स्थित है (ओर इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 12-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के तिर प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यात्रा है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सार्वियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मिसेस माधुरी सिंहा चौधुरी। (अन्तरक)
2. मिसेस मानमी राय चौधुरी। (अन्तरिती)
3. निरलन सिंघेटिक को०। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताशी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 ओरियेन्ट रो कलकत्ता-17 में अवस्थित 3 कट्टा 2 छटांक
जमीन पर पी 2-8-78 तिट्ठि में 4560 नं० अनुसार-सब-रजिस्ट्रार
सियालदाह का पास रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० एस०
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज, कलकत्ता

तारीख : 24-2-79

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजटI, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० नं० 481/टीआर-388/नी-372/कलकत्ता-1/78-79—

यतः मुझे, आई० वी० एम० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 43, 43/1 और 43/2 है तथा जो बेनियापुकुर
लेन रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5 गवर्नरमेंट प्रेम नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख.....

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
प्रन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से ही उक्त किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी रहने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए। और/या।

(ब) ऐसी किसी पाय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्याख्या, अर्थात् .—

1 श्री फनीन्द्र नाथ ब्रह्मचारी, और 50 निर्मल कुमार
ब्रह्मचारी 19 यू.एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता ।
(अन्तरक)

2 भिली एजुकेशनल अर्गानाइजेशन 10, तात्त्विकागान
रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाये करके पूर्णसं सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तस्मान्यि अविक्षयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधिकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

43,43/1, 43/2, बेनियापुकुर स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 14
कट्टा, 15 छाया 19 वर्ग फिट जमीन पर तिनतल्ली मकान जो
14-8-78 तारीख में I-4075 नं० अनुसार रजिस्ट्रार आफ
एशोरेन्स कल० के पास में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एम० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-०, कलकत्ता

तारीख: 26-2-79

मोहर:

प्रसूत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 फरवरी 1979

निर्देश सं० ग० सी० रंज/II/कल०/19—यतः मझे,
एम० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० न्याट सं० 25/पा० है तथा जो लाइ-नी, न्यू
अलीपुर, बाबकत्ता 700053 में स्थित है (श्रौत इष्ट उपाधि
अनुपूची में और दूर्ग मा० वर्णित है), एजिस्ट्रीलॉन प्राविधिकी
के दायित्व, रजिस्ट्रारश ए० ए० ए०, रजिस्ट्रीलॉन अधि-
नियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीन, तारीख 2-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भूमिति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योरुपा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रपत्ति—

1. श्री नै० भिथा, बी०-23, ग्रेटर कैनैग, न्यू देहली-48।
2. श्री एम० आर० गंगरीबाला एण्ड सन्स, 99ई०, ब्लाक
पार्क, न्यू अलीपुर, कलकत्ता-53। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में मात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
कियी गयी व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास
निक्षिप्त में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुपूची

प्रा० नं० 25/पा०, नाम धी, न्यू अलीपुर, कलकत्ता में स्थित
3.92 फै० की जमीन।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी।

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 26-2-79

मोहर:

प्रस्तुत ग्राइंड टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं०ए० सी० रेज II कलकत्ता/1978-79—यत्, मृद्दे,
एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/2ए है तथा जो वर्द्वान रोड़ पर स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिवारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ प्रस्तुतम्,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16)
के अधीन, तारीख 21-8-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्नेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उम्मीद (1) के अंतरा मिन्नरेत्रा वर्गित यों अर्थात् —

- 1 श्रोमंडी ग्राम गाँव 22, बर्मांज पार्क रोड,
फ्लैट न० 102, कलकत्ता । (अन्तरक)
2 नौ मीटर राम गोप्ता, 207, महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह ग्राम जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे ।

हाइड्रोफोन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

Land measuring 6-cottahs, 13-chittaks and 21-sq. ft. being
premises No. 2/2A, Burdwan Road, Calcutta.

प्रस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , कलकत्ता

तारीख: 6-3-79
मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं. ८० सी० ४८ रेज II/कल/1978-79—यतः,
मुझे, एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं. 23 ए/156/2 है तथा जो डायमन्ड हार्ड रोड,
कलकत्ता पर स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 24
परगना, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 11-8-1978

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत प्रधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती-
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलापा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:

1. श्री मती प्रतिमाधोष द्वारा श्री ए० आर धौष नं० 15
शरद, चटर्जी एवेन्यु, कलकत्ता । (अन्तरक)
2. श्री मनत कुमार माहा 107, एफ ब्लाक एन्ड अलीपुर
कलकत्ता 53। (अन्तरिती)
3. (1) मर्सी इन्डस्ट्रीयल बंडलेशन कम्पनी (2) श्री
इ० श्वेत० इडे है)।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अन्तिम तिथि पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

371. 23 वर्ग मीटर जमीन तथा उस पर अवस्थित तीन
मंजिला मकान जिसका सं. 23 ए/156/2 डायमन्ड हार्ड रोड
है।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रज II, कलकत्ता

तारीख: 6-9-79

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आनंद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
269-व (1) के प्रथीत भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता ।

कलकत्ता, विनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० एम० सी० 49/रेंज II/कल०/78-79—यतः
मुझे, एस० सी० यादव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के प्रथीत मन्त्र प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 6 है तथा जो अशोक रोड़, अलीपुर में स्थित है,
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स
में, रजिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-8-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्ट्यामान प्रति-
कल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि प्रायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्ट्यामान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पक्षहृ प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया जाया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश से उस अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(5) अन्तरण में ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(6) ऐसी किसी दारा या दिक्षी वन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे प्रधिनियम, या वन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।यतः १३ उक्त अधिनियम की घारा 269-व के प्रकृत्याण में,
मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपस्थापा (1)
से अधीन निम्नलिखित अविनयों, व्रतात् :—

5—76GJ/79

१. अशोक कुमार गोयनका, 9, जगमोहन मलिक लेन,
कलकत्ता 7।
(अन्तरक)२. श्री विनोद कनोई, 24, आर०एन० मुखर्जी रोड़, कलकत्ता-१
(अन्तरिती)को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षियों पर
भूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;(क्ष) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु
किसी अन्य अविक्षि द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रायाय 20-क में पढ़ा परिचालित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कट्टा, 14 छटाक और 7 म्कायर फीट जमीन जो 6, अशोका
रोड़, अलीपुर में स्थित है।एम० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख : 8-3-79

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1979

निवेश सं० एम०/489/टीआर-392/सी-368/कल०-I/78-79-
यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 79 है तथा जो डा० लालमोहन भट्टाचार्य रोड़,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, 5 गम: प्लेस नार्थ कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
'तारीख 9-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री सम्भूनाथ अनंदर, 31, तारीचांद दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. श्री सचीनाय कुमार, कल्पना कुमार 153/एच/1, लिम्टेड, कलकत्ता
(अन्तरिक्त)
मैं उक्तन कार्पोरेट्री वक्से
(वह अक्तिं जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी अधिकत द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपचारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पौर सं० 79, डा० लालमोहन भट्टाचार्य रोड़, कलकत्ता का
उत्तर-पश्चिम अंश भाग 5 कट्टा 4 छटांक 18 स्को० फुट जमीन
और उस पर बनाया 1 तल्ला मकान का हिस्मा जो रजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 3946 ता०
9-8-78 का अनुमार है।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I कलकत्ता

तारीख: 12-3-79

मोहर :

प्रकाश अर्डॉ टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 551 रेंज /कल/II,—यतः मुझे एस० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और रजि सं० 11 है तथा जो ब्रेनफील्ड रो, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्रार 24 परगना, अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत उक्त अधिनियम, के ध्वनी कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी अध्य या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती शारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

मत। प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री समरजीत सिंहा 11, ब्रेनफील्ड रो, कलकत्ता-27 (अन्तरक)
2. श्री सुनीति विश्वास, 40ए, ब्रेनफील्ड रो० कलकत्ता-27 (अन्तरिती)
3. (1) मुख्तार सिंह (2) रामाधार सिंह (3) पी० एन० सिंह (4) मुरली दास (5) आर० पी० सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

A two-storeyed brick built building known as "Servants Quarters" comprising of an area of 30-cottahs, 4-chittaks & 20-sq. ft. situated on the north-west portion of the premises No. 11, Branfield Row, Calcutta-27.

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 16-3-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मार्गीनय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 52/रेंज II/कल-यत, मुझे, एस० सी०

यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 42 है तथा जो इकबालपुर रोड़, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री नं० प्राधिकारी के कार्यालय, बिल्डिंग रजिस्ट्रार,
24 परगना, ग्रलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिक्रिया न दिए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दूष्यमान प्रतिक्रिया का
एन्ड्रह प्रतिशत प्रतिक्रिया है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिका (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी धारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, प्रवर्त्ततः—

1. श्रीमती रमोला देवी, 42 इकबालपुर रोड़, कलकत्ता-23
(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद अयाज, 189, पांके स्ट्रीट कलकत्ता-17।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के मन्त्रन्य में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्यावन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किया गया व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टोक्तरण—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं प्राप्त होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक दो मजिला मञ्चान जो 10 कठ्ठा, 4 छटांक और 22
वर्गफीट पर स्थित हैं तथा जिसकी संख्या नं० 42 इकबालपुर रोड़,
कलकत्ता-23 है ।

एस० सी० यादव,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 21-3-79

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1979

निर्देश म० ए० सी० 78/रेज IV/कलकत्ता/1978-79—
यत्, मुझे एम० के० दासगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० मौजा चाकगेड़िया न तथा जो थाना कमबा
मि० ए० दाग स०-1, जिला 24 परगना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर म०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिफल की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (प्रतिफलों)
पौर प्रतिरिति (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरिति
निम्नलिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त के
दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

1. मैसर्सु बर्न एंग्रिकल्चरल डायरी एण्ड फिर्मरिज प्रा०
लि० (अन्तरक)

2. श्री पुलक रजन देब (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताभ्यासी के पास
निवित में किए जा सकें।

संधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा चाकगेड़िया, थाना कमबा, मि० ए० दाग स० 1,
जिला 24 परगना में स्थित 15 विधा जमीन के सबकुछ, जैसे की
दलिल स० 4833 (1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दास गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 22-3-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी एवं एस॰—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 79/रेजIV/कल/1978-79—यत्।
मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ग के प्रधीन संघरण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मौजा चाकगेड़िया है तथा जो थाना कसबा आर० ए० सं० दाग सं० 1, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दोषित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा नहीं; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पाया या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रकृतरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अवर्त्ति:—

1. सुवर्बंन एप्रिकल्चर डायरि एण्ड फिसरिज प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री पुलक रंजन डेव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवेन के संबंध में कोई भी मानेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरेवी अवक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा अबोहस्लाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उा अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा चाकगेड़िया, थाना कसबा, आर० ए० सं० दाग सं० 1 में स्थित 15 बिघा जमीन के सब कुछ, जैसे की 1978 का दलिल सं० 4962 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज IV कलकत्ता

तारीख : 22-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० प्र० प्र०

1. मो० ईयाकुब

(अन्तरक)

प्रायर० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना।

2. आकबर अली

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रबंधन रेंज I कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक

निर्देश सं० एसएल 490/टीआर-396/सी-343/कल०-१
1978-79—यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिमकी सं० 5 है तथा जो ब्लाकमैन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित
है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-८-७८
को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण निम्नित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पुर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पुर्वोक्त अधिकारी
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितष्ट इसके अन्य अधिकारी, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास निम्नित में किए जा सकेंगे।

हितष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधार्य 20-के
परिभाषित हैं, वन्ही पर्यंत होगा, और उस
प्रधार्य में दिया गया है।

(क) प्रत्यक्षण में हूई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

नं० 5 ब्लकमैन रास्ता पर चार कट्टा 6 छटाक आठ स्कायर
फुट जमीन पर दोल्ला पक्का सकान जो कलकत्ता में रजिस्ट्री प्रब-
आफ एस्युरेन्स नं० I-4035 अब 1978 में रजिस्ट्री हश्चा है।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रबंधन रेंज I कलकत्ता

प्रतः अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उप-धारा (1)
प्रते निम्ननिम्नित अधिकारी अर्पत :—

तारीख : 26-३-७९
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 27 मार्च 1979
निर्देश सं० 464/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 3/2ए है तथा जो गरचा फार्ष्ट लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
7-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बहुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्तः—

1. श्री गम्ल कुडन घोष और अत्यान्य (अन्तरक)
2. मैं० हिन्दुभान एन्टारप्राइज 2ए, गरचा फार्ष्ट लेन,
कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरता :—इसमें प्रयुक्त वार्षों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 7 कट्टा 4 छटांक 21 स्को० फुट जमीन माथ उस पर²
बनाया मकान जो सं० 3/2ए, गरचा फार्ष्ट लेन, कलकत्ता पर
अवस्थित ।

भास्कर सेन,
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III, कलकत्ता

तारीख: 27-3-1979
मोहर:

प्रधान प्राइवीटी ० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वं (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्री सुकुमार मूर्खजि। (अन्तरक)
(2) श्री हृष्णपद दास (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए० सी० ८०/रेज IV/कल/1978-79—यतः
मुझे, एस० के० दामगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 वं
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से प्रधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा-92 हृष्णनगर,
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे
उपारबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नदिया में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-8-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रभाव
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तुविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रन्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर मूल्यना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अङ्गाय 20-के
परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस
अङ्गाय में दिया गया है।

बनुसूची

मौजा-92, हृष्णनगर, थाना कोतवाली, जिला नदिया में
स्थित 11 एकड़ जमीन तथा स्ट्रक्चर्स के सबकुछ जसे के
1978 का दलिल सं० 9109 में और पूर्ण रूप से वर्णित
है।

एस० के० दामगुप्ता,

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज IV, कलकत्ता

54 रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 28-3-1979

मोहर:

यतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269 वं के अनु-
सार ये, मेरे उक्त अधिनियम की आरा 269 वं की उचावारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तों, प्रवर्ति :—

प्राप्ति-माई० टी० एन० प८०-----

(1) श्री सुकुमार मूर्खर्जी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कृष्णपद दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 81/रेंज-IV/कल/1978-79—यतः
मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है।

और जिसकी सं० मौजा 92, कृष्णनगर है तथा जो थाना-कोतवाली, जिला नदिया स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य स्थानियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा सं० 92, कृष्णनगर, थाना कोतवाली, जिला-नदिया में स्थित 11 एकड़ जमीन तथा स्ट्रक्चर्स के सबकुछ जैसे के 1978 का दलित सं० 9120 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीखः 28-3-1979

मोहरः

प्रश्न प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)

प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं॰ ए० सी० 82/रेंज IV/कल/1978-79—यतः
मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० नाचान रोड है तथा जो बेनाचिटि, दुर्गा-
पुर-13, जिला-बर्धमान में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, राणीगंज, मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-8-1978
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्यह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेर उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवधितयों, बर्तात :—

(1) श्रीमती कलावती देवी स्वरूप

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रियाबाला घोष तथा बलाई चन्द्र घोष
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
कियी गयी अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबलीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-व में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

नाचान रोड, बेनाचिटि, दुर्गापुर-13, जिला-बर्धमान के
अन्तर्गत 3 कट्टा जमीन के सबकुछ, जैसे के दलित सं॰
3855 (1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)

प्रर्जन रेंज-IV,

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीखः 28-3-1979

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस.—

(1) श्री० रेवन्त बासु

(मन्त्रिक)

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० सि० I/रेंज-IV/क्ल/1979-80—यहतः
मुझे, एस० के० बास गुप्ता

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० खतियान सं० 1785 है तथा जो मौजा
तारदह, थाना भानगड़ जिला-28 परगणा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासान में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षाह
श्रितिशत से अधिक है और मन्त्रिक (मन्त्रिकों) और मन्त्रिती
(मन्त्रितियों) के बीच ऐसे मन्त्रितण के लिए तथा याया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रितण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) मन्त्रित से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्रिक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे मन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्धा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की घारा 269व के अनुसार में उक्त प्रधिनियम की घारा 269व की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितियों, यद्यातः—

(2) श्री जनमेनजय रंग

(मन्त्रिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविष्ट बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही यथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा तारदह, थाना भानगड़, खतियान सं० 1785,
जिला 24 परगणा के प्रतीर्गत 5.49 एकड़ जमीन के सबकुछ
जैसा के 1978 का घलिल सं० 2383, 2384, 2385
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और वही सब दलीलों द्वारा
मन्त्रित हुई है।

एस० के० बास गुप्ता,
सधम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,- IV
54, रफी अहमद किल्डवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 4-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एल.—
प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल, 1979
निदेश सं० ए० सी० 2/रिं-IV/कल/1979-80—यह:
मुझे, एस०के दासा गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के प्रदीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० जे० एल० सं० 38 है तथा जो मौजा-
तारदह, याना-भानगढ़, जिला 24 परगणा में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासाल में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का
कारण है कि याकूपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामया प्रतिफल, निम्नलिखित
रुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव या बावत उक्त प्रति-
नियम, के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी बावत उक्त प्रति-
नियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतावर
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
बाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के बावजूद अन्तरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

(1) श्री रेखन बासु

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीग चन्द्र रंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविकारों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में वे
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

तारीख:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में या वा परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा तारदह, याना भानगढ़, जिला 24 परगणा स्थित
व/ज/० 1465, जे० एल० सं० 38 का 3.66 एकड़ जमीन
का सबकुछ जैसे के 1978 का दलील सं० 2386 तथा
2387 में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलीलों
द्वारा अन्तरित हुई है।

एस० के० दास गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 4-4-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निवेश सं० ए० सी० ३/रेंज-IV/क्ल/1979 ८०—यतः
मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खतियान सं० 1785 है तथा जो मौजा
तारदह कापासहाट, थाना भानगड़, जिला 24 परगणा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बारासात
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
वर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति:—

(1) श्री रेबन्त बासु (अन्तरक)

(2) श्री अभिमन्त्रू रंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपस्थोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाया 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाया में विद्या
गया है।

अनुसूची

मौजा तारदह कापासहाट, थाना भानगड़, जिला 24
परगणा, खतियान सं० 1785, दाग सं० 1465 के 3.66
एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे के 1978 का दसित सं०
2427 तथा 2428 में और पूर्ण रूप से बर्णित है तथा
उस दलीलों द्वारा अन्तरित हुई है।

एस० के० दास गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 4-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट शार्दूल दी० १८० एक० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा० (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० 4/रेंज-IV/कल/1979-80—यत्,
मुझे, एस० के० दामगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा० के प्रधीन संभावना अधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी खतियान सं० 1274 है तथा जो मौजा-तारदह कापास हाट थाना-भानगुड़, जिला-24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारामात में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 24-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(1) श्री रेखन्त बासु ।

(अन्तरक)

(2) श्री मूल्यनन्द रंग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधिस्तानाधीन के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्ताय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस प्राप्ताय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; ग्रोवरी।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या नियमीय बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दसकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, नियाने में सुविधा के लिए;

मौजा-तारदह कापास हाट, थाना-भानगुड़, खतियान सं० 1274, दाग सं० 1465, जिला-24 परगना जमीन दिघ्त 5.49 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे की 1978 का दलिल सं० 2429, 2430 तथा 2431 में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं तथा उस दलिलों द्वारा अन्तरित हुई है।

एम० के० दामगुप्ता,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-IV,

54, रफी प्रह्लद किलवाई रोड,

कलकत्ता 1-16

तारीख : 4-4-1979

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उचितारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अवैतः—

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज० IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० IV/रेज-4/कल/1979-80—पत्रः,
मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी जै० ए.ल० सं० 110 है तथा जो थाना—सिलिगुड़ि,
जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिलिगुड़ि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 9-8-1978 तथा 22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भव्यतक (भव्यतरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलाभा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविष्टयों, अवौतः:—

1. श्री जबरमल पिपलवा उर्फ सर्मा, गन्धर पिपलवा उर्फ सर्मा,
किशोर कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा, अशोक कुमार
पिपलवा उर्फ सर्मा पवन कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा,
तथा ललित कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्यामा देवी, अगरवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

उपलिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

060 एकड़ जमीन तथा उस पर सकान का सब कुछ जो की
जिला दार्जिलिंग, थाना तथा मौजा मिलिगुड़ि, जै० ए.ल० सं० 110,
ख० सं० 2395, प्लाट सं० 8486 में स्थित है, जैसे के दलिल
सं० 4579 दि० 7-8-78 तथा दलिल सं० 4671 दि० 14-8-78
में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उम दलिलों से अन्तरित हुई
है।

एस० के० दासगुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण
अर्जन रेज० IV
54, रफी अहमद किशोर रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 6-4-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति दी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आग

269 ध (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1969

निदेश सं० 285-ए०:—अतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आग 269-ध के अधीन गत्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय महारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-78 को

पूर्वोत्तर मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूते यह विश्वास करा गा यहाँ है कि यथापूर्वोत्तर मंपति जो उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का उद्देश्य प्रतिक्रिय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने कुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे उचित में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या फिरी प्रति या अन्य आमतियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधान अधिकारी अनुग्रहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या जिया जाने वाले थे, छिपाने में सुविधा नहीं,

अतः अब, उक्त अधिनियम की आग 269-ग के अनुमति में, मैं, उक्त अधिनियम की आग 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिम्न अविनियों, अर्थात्:—

7-76GI/79

(1) श्रीमती गाविती देवी युवती श्री दीप चन्द्र निवासी ग्राम एप्परपुर हमडी डा०: व पर व सह व जिला : महारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मरदार स्वरूप मिह सपुत्र मरदार महताव मिह राजकुमार व श्रीमोक कुमार पिंगान हवेली ग्राम निवासी गुफारा रोड (महारनपुर)।

(अन्तरिक्षीय)

को यह युवता नामी करके पूर्वोत्तर मंपति के प्रति के लिए कार्यशाहिया करता हूँ।

अन्य मंपति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपात होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में निए वा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपूत गढ़ों और वशा हा, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

यह मंपति स्थित ग्राम कपूरपुर में 37,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 56,760/- रुपये आकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर, निरीक्षण
(अर्जन रेज), कानपुर।

तारीख : 27-3-1979।

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निदेश सं० 292-ए०:—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० तथा जो में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवनन्द में, रजिस्ट्रीव २४ अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन तारीख 19-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण निश्चित में बास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के दायित्व में कमी करने या उभय बाबत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्रंथ या किसी ब्रन पा अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहा था या, इषपाने में सुविधा के लिए;

असः यद्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, प्रर्थतः:—

(1) श्री अमरप्रसाद चन्द्र चतुर्वेदी डा० भोपाली पर० व तह० देवनन्द (महारतपुर)।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सपुत्र नन्धू निं० ग्राम तल्हेडी पर० नागल जिला :-महारतपुर।

(अन्तरिती)

को यह दृष्टा दाने दरकूपूर्वीत प्राप्ति के प्राप्ति के लिए कार्यवाहिया करना चाहे।

उक्त प्राप्ति से अर्जन के प्रत्येक में कोई भी प्रभावः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि दाव में समावृत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदण्ड किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाय निश्चित में किए जा सकेंगे।

प्रबन्धीहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाराय 20-क में परिभाषित है, शही अर्थ होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित तल्हेडी में 20,000/- हजारों को बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 55,320/- हजार आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण,)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27 मार्च, 1979।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 374-ए०—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मेरे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पृ० ८० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, तारीख 27-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छापकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती मालती दुबे पत्नी स्व० बद्री प्रसाद दुबे 118/233 कौशलपुरी कानपुर।
(अन्तरक)
(2) श्री अशर्की माल श्रीवास्तव पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव 118/214 कौशलपुरी, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों द्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्हें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि काकादेव कानपुर में 20,000/- रुपए की बेजी गयी जिसका उचित बाजारी मूल्य 75,600/- रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख: 27-3-1979

मोहर:

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राम्य रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक, 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 775 ए०—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकुड़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3-10-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यथा, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अस्ति :—

(1) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र लाला ताराचन्द जैन निवासी
महारनपुर मोहल्ला रामनगर मुख्यतार आप-अमका
मिसजानिव श्रीमती बल्ली पत्नी रोशनलाल
निवासी मुजुफरनगर मोहल्ला जैन मन्दिर
(अन्तरक)

(2) श्री मत्यपाल पुत्र सुलतान सिंह ग्राम सहजनी
पो० मच्छर हेडी पर० व तह० नकुड़ जिला :
सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम सहजनी में 15000/- रुपए की बेची
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 53,000/- रुपए प्रांका
गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्गत रेज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 776-ए०—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधोन मन्त्रमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि निम्नरूप सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थिति है (और इसमें उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकृत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तिष्ठो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अवास्त् :—

(1) श्रीमती मुमम्मात मर्जीदान वेवा मीम साकिन मौजा आलमपुर डा० रामपुर पर० फौजाबाद तह० व जिला : महारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद दासन पिसर भूरा साकिन मौजा आलमपुर डा० रामपुर पर० फौजाबाद तह० व जिला : महारनपुर (अन्तरिती)

को यह पूछना बारी करके पूर्वोक्त सम्पादन के भ्रंति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवज्ञन के भ्रंति में काई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भगास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभ्रापित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि मौजा आलमपुर में 41,000/- रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 69,000/- आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वदी
सभ्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, कानपुर

तारीख: 27-3-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

1 रत सरका०

कार्यालय, महापाल आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निक्षण मं० 777-ए०—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इपको 'वारात 'उत्तर अधिनियम', कहा गया है), की ओरा
269-व के प्रधीन सूचना आयिकारी को, प० विश्वास कर,
कि कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य
25,000/- इपका गया अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (और इससे उपादान अनुभूति में और पर्याप्त सूचना
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महारनपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 6-10-78
को प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिकोण उत्तिकल के लिए अन्तरित की गई है
और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त गणालय का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान
प्रतिकरण से, प० ३० दृश्यमान प्रतिकरण का वन्दन प्रतिशान से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिनियो) कांबड़े एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण
निष्ठानियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में बास्तविक रूप
से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के शायित्व में
कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(न) पैरों, इसी प्राव रा किसी घात या भग्न अधिनियम
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ४३-दर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के अनुसरण में
उक्त अधिनियम की ओरा 268-व की उपकारा (1) के
प्रधीन, निष्ठानियित व्यक्तियों, अर्जति :—

- (1) श्री सरदार केवल मिह व सरदार गुरदेव मिह
पुनर सरचार गुरबचन मिह ग्राम नल्हेड़ा बेद
बेदबेगमपुर डा० व पर० हरोडा तह० व जिला :
सहारनपुर (अन्तरक)
- (2) श्री सरदार जुगन्न सिह व सरदार महेन्द्र सिह
पिसरान सरदार मोहन सिह ग्राम थनौला डा०
हन्डपाया तह० बरनाला जिला :
संगमर (पंजाब) हाल निवावी ग्राम नल्हेड़ा
बेदबेगमपुर डा० व पर० हरोडा तह० व जिला :
सहारनपुर (अन्तरिती)

का यह सूचना आगे फरफूरीका मानांति अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि याद में
मापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पर्याप्ति द्वारा, अधिकृताकारी के पास लिखित
प्राप्ति या सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रयोग 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुभूति

सम्पत्ति स्थित ग्राम नल्हेड़ा बेदबेगमपुर पर० हरोडा
जिला सहारनपुर में 69,875/- रुपए में बच्ची गई जिसका
उचित बाजारी मूल्य 99,868/- रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-1979

मोहर:

प्रधानमंत्री १० मिनी प्राप्ति

आयकर प्रधानमंत्री, 1961 (1961-८५) की धारा

269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 787-ए—अतः भुक्ते भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का ४३) (जिसे इसमें ६२९ पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब्र के प्रधीन सम्बन्धमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घाटमपुर में, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन तारीख 20-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति पतिशत

अधिक है और अन्तरक (अन्तर्खो) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिकल निम्ननिम्नित ढंग से अन्तरण में अन्तरिक्ष रूप से कठिन नहीं है।

(क) अन्तरण पर हुई किसी आय का चाहत ३४८ प्रधीन सम्बन्धमें के प्रधोन कर रहे हैं अन्तरा ए राजिका में दोनों गण ने उसमें वचन में सुविधा के लिए; और।

(र) ऐसी किसी आय पर किसी वर या अन्य आमिन्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपात में सुविधा का लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम को धारा 269-१ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

1 श्री गयाप्रसाद मुपुत्र श्री बंशी धर माकिन अमधाना, पोस्ट वरी, महावेनपुर घाटमपुर, जिला कानपुर।
(अन्तरक)

2 श्री राम कुमार व शिव कुमार मुपुत्र श्री बंशी धर ग्राम कुमरकत पोस्ट, धमनी परगना घाटमपुर, जिला कानपुर।

श्रीमती शारदा देवी पत्नी अजनन्दन पत्नी विमलेश कुमार शैलानी, माकिन मधिया खेड़ा, मजरा दालोका डॉ देवरी बुजरी, तह० पिंथवी जिला फतेहपुर व बलदेव विश्वामित्र विश्व नरायण ग्रा० भुज मा० कुमरवय पो० धमन बुजरी परगना घाटमपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रतीका अपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करना है।

उक्त अपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से १५ दिन को अवधि, या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर संवना की नामी ते ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में अपाप्त होती हो, के भीतर प्रतीका अपत्ति योग्यता में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से १५ दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति नाग अधोहस्ताक्षरी के पाप निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुत प्रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अवशंगा, जो रम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम पचाबोल परगना घाटमपुर में 45000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 72,000/- रुपये आंता गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 27-3-79
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निदेश सं० 789-ए—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की व्यापा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित तदेश स उक्त अन्तरण लिखित में वाचनिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने वे अन्तरक के दायित्व में रमो करने या उसने उचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं दिया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, प्रबलक्त अधिनियम की व्यापा 268 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापा 269 घ की उपषागा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षत :—

1. हसीना बेगम, विधवा इरदीस बेग, निं० कांधला परगना कांधला तह० बुढाना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री कल्याज अहमद व रफीक अहमद सुपुत्र अब्दुल अजीज व अमीर अहमद व अब्दुल अजीज पुत्रगण हाजी अलाबन्दा व लतीफ अहमद पुत्र अमीर अहमद व श्रीमती खंस्लनिशा पत्नी कल्याज निवासी, व परगना कांधला, तहसील बुढाना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

लपटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि ग्राम कांधला में० 77,655/-रुपय की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,42,368/-रुपये ग्रांका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निवेश मं० 800/ए०—अतः मुझे, भारत चन्द्र चर्तुवेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 21-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्राप्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण स्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण में दृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दृश्यिति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपस्थापा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्राप्ति:—

8-76GI/79

1. श्री रमेश्वर मरन युपना पुत्र डा० पी० पाल० मृता निवासी १/१२, शानि निकेतन न्यौदेहली-११०२० (अस्तरक)

2. श्रीमती दिव्याव कीर पत्नि निरंजन सिंह माकिन विलेज, नगलां वैर, डा० कमलीया, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के मन्त्रन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाप्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रह सम्पत्ति बांके मनोरंजन पार्क सांकेट मिलिन लाइन्स मेरठ में, 1,50,000/- रुपये की ब्रेची गई त्रिपाता उचित बाजार मूल्य 2,10,000/- रुपये आंकी गई है।

भरत चन्द्र चर्तुवेदी,
सभाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-79

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 821-ए-- अतः मुझे भरतचन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसके सं० है तथा जो अनुसूच में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रसिद्ध से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के वाचिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

॥(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या गम्य आस्थियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उद्देश्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यवस्था (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अवालिः:—

1. श्री किशन लाल पुत्र श्री गुरुदयाल व
श्रीमती रिसाला देवी पत्नी श्री किशनलाल
निवासी 294, मालीवाड़ा, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी धर्मवीर यादव
ग्राम शरफाबाद, डा० परथला, परव व तहसील दादरी
जिला, गाजियाबाद व श्रीमती धनेश्वरी पत्नी श्रीमप्रकाश
निवासी ग्राम हृतमाऊ पर० डासना, जिला गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रान्त के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्व सम्पत्ति स्थित मालीवाड़ा, गाजियाबाद में 40,000/- रुपये की बैची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 75,000/- रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी.एम.एस.—

आदिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 825-ए—ग्रतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिल वें कमी करने या उद्देश्य सुविधा के लिए ग्रौर/या

(ब) देसी किसी भाय या किसी घन या अस्य ग्राहितयों को जिस्मे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

1. श्री राजपाल व महीपाल मिह पुत्रगण फूल सिंह ग्राम मोहम्मद मुरादपुर उर्फ शोलदा डा० माधरा, परगना किठौर, तहा० मवाना (मेरठ)।

(प्रन्तरक)

2. श्री बन्दी व चन्दार सुपुत्र श्री गोपाल व हरेन्द्र पुनर्मंगल सिंह ग्राम हसनपुर परगना किठौर, तहा० मवाना डा० खास, जिला मेरठ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन्त के संबंध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा प्रदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हृषि भूमि स्थित ग्राम शोलदा में 39,072/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 63,000/- रुपये आँका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-3-79

मोहर :

दर्शन : अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा० की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्ननिम्नित अक्षितयों, स्वरूप—

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं. 846-ग—ग्रतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दावित में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जी—

(1) मुसम्मात जहूर आहमा बेओ अली हेसन मा० जौली, पर० जौली जानकथ जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

(2) श्री अली जौहर पुत्र मोहम्मद पे॒जाज मा० जौली, पर० जौली, जानमथ जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरक्कीबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के तथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि जौली में 40,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,13,864/- रुपये आंकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 27-3-1979

मोहर :

प्रस्तुत पाइ॰ टी॰एम॰ एस॰—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निवेश सं. 849-ग०—अतः मुझे भरत चल्द्र चतुर्वदी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है?

और जिसकी मं. है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रन्थित से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्परण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन रह वेने के अन्तर्गत के दायित्व में यमी व्याया ने उच्चने में मुक्तिशा के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी आय या किसी घन या अन्य गार्फाईयों को जिन्हे भारतीय आय-के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ।। उत्तर अधिनियम, या उत्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, ।। धारा 269-ष की उपायारा (1) अधीन निम्नलिखित अवक्षयों प्रथानि :—

- (1) श्री प्रह्लाद मिह पुब्र अमीर मिह ग्राम मडौली गाँडुल्लापुर, पर० किंदौर, स० महलवाला, जिला मेरठ। (अन्तरक)
- (2) श्री आत्मा मिह व मेजर मिह पुलगण गुरदयाल मिह निं० ग्राम भालौर रसूल, पनाह स० गैसूपुर पर० किंदौर, तहसील मवाना (मेरठ)। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यालयिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस मूल्यना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्यना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितबद्ध किए गम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोक्षरण:—इसमें प्रदृश्यत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इष्ट भूमि ग्राम शादीपुर में 11,100/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 55,520/- रुपया आंका गया है।

भरत चल्द्र चतुर्वदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-3-1979

मोहर :

प्ररूप श्राद्ध० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 861-ए०—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा, (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुखबीर सिंह, जै प्रकाश, ब्रह्म प्रकाश पुन्न-गण चौ० चरन सिंह, ग्राम कलोजा, सा० खाऊ, पर०-तह० मेरठ। (अन्तरक)
- (2) श्री ओम प्रकाश पुल चौ० भगवान महाय ग्राम कलीना, सा० खाऊ, पर० तह० जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्तान्त्रो के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम खेड़ी में 30,000/- रुपये की बेची गई, जिसका उचित बाजारी मूल्य 78,960/- रुपये आंकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1979

निवेश सं० 485/अर्जन/खेरागढ़/78-79—अतः मुझे भ०
च० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

इ० से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेरागढ़ (आगरा) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया याया प्रतिफल मिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों पर्यात :—

(1) श्री रामगोपाल पुत्र नाथा जानकी प्रसाद, खुरव संरक्षक मा० वा० कन्हैया लाल, श्रीमती लीलावती, श्री रामगोपाल व अन्य निवासी मुहल्ला चौबान, कस्बा फिरोजाबाद, जिला आगरा।
(अन्तरक)

(2) श्री बाबू नाल, बाल मिसन प्रमाण लाला नरोत्तम दास, श्रीमती प्रेमवती स्त्री नाला निरोसमदास व बाबू नाल, सीताराम, पुत्र बालकिशन, निवासी व पो० खेरागढ़, जिला आगरा व श्रीमती कुमुमदेवी स्त्री महाबीर प्रसाद निवासी मोती कटगा, जिला आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 2 दूकानें एक मंजिली, एक बाड़ा व एक नया मकान एवं मंजिला व एक पूरे दूकान एवं मंजिली स्थित कस्बा खेरागढ़, जिला आगरा 115000/- रु० में बीची गई जिसका (क) अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 150000/- रु० आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 30-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 761-ए०—अन्तः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-1978 पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरमें, मेरठ अधिनियम की धारा 269-ब की उपशासा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों, अवृत्त :—

(1) श्रीमती जगकन्तप्रनिया वेगम वेवा काजी मुकद-इउहीन साहब, साबिन मो० इस्माइल नगर, साबिक मारुफमशाये खान शहर मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती असगरी वेगम दुख्तर जाजी इशतियाक अहमद काशी परगना व तह० मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अविकल्पों में से किसी अविकल्प द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविकल्प द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 43-44 वाहूह नम्बर 60 मोजदा नम्बर 65 भाराये खान मेरठ हाल मारुफ इस्माइल नगर मेरठ में 62,000/- रुपये का बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,000/- रुपये आवा गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

मशम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 2-5-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी २० एन० एस०

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० 851-ए०—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वदी ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रतरक (भ्रतराकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजायं प्रतिक्रिया द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त है:—

9-76GI/79

(1) श्रीमती अंतुराधा पत्नी सरदार सिंह ग्राम व डाक गंगापुर, जनूबी पर० किठौर (मेरठ)।
(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल सिंह व सुरेन्द्र सिंह व महेन्द्र सिंह पुत्रगण द्विकम भिन्न ग्राम व डाक गंगापुर जनूबी परगना किठौर (मेरठ)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजें लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भवन्धन में कोई भी ग्रामेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रिचर्ट ग्राम गंगापुर जनूबी परगना किठौर, में 65040/- रुपये की बची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 89,000/- रुपये आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वदी,
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मेरठ।

तारीख: 1-5-1979

मोहर:

प्रकृपा आई० टी० एन० एस०————

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26७ व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 523/अर्जन/सादाबार/78-79 अत—: मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७ व (1) के अधीन संसद प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सादाबाद में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-78 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्राम्यकर रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व में कदी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसा सो ग्राम या किसी घन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या उपराने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम, की धारा 26७ व (1) के अनुसरमें; उक्त प्रधिनियम, की धारा 26७ व (1) के उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राजबीर सिंह पुत्र मुरली सिंह निवासी बाबली तह० सादाबार, जिला मथुरा।

(अन्तरक)

(2) सुरेश चंद्र व अन्य पुत्रगण वेदराम निवासी मोहल्ला देवनगर, फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी ग्रामप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बाबली तहसील सादाबाद जिला मथुरा 33700/- रु० में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित वाजारी मूल्य 68280/- रु० है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
संक्षम प्रधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं. 852-ए०—ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-78

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनन्तरित की गई है प्रतेर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्नत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से तुर्हि किसी प्राय की वारत उक्त सूचत प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269वा की उपलाएरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

(1) श्रीमती अनुराधा पत्नी सरदार सिंह ग्राम बड़ाक गेसूपुर, जखी पर० किठौर, जिला मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री शोरन सिंह सुपुत्र प्रीतम सिंह व अशोक कुमार व विनोद कुमार पुत्रगण शोरन सिंह ग्राम गेसूपुर जखी, पर० किठौर, जिला मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गेसूपुर जखी परगना किठौर में 59,984/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 82,500/- रुपये आका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्रख्य प्राईटी एस० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निदेश सं० 500/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे, भ०
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में ५ मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या बाय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की वारा 269-ष की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्यातः—

(1) श्रीमती रामजसकी वयस्क स्त्री राजाराम गृप्ता निवासी 54/27 नवाराज; कानपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री पं. वेदी सहाय पाण्डे वयस्क पुत्र पं० राम-शंकर पाण्डे, जी-12, छावनी शान्ति नगर, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायांबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम अस्तित्व द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 130/एल-1/6-ए बगाही कानपुर 89554/- रु० में बची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 160000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय महामंडल आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, विनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 311-ए०—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-च के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 21-9-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वत ह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, जी धारा 269-च के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपघात (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् ।—

(1) श्रीमती जगेशोद फातमा व नदहल निसा पत्नी
फिरोज रहमान ग्राम हुसैनपुर डा० खास पर०
व तह० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री महाबीर सिंह व बलबीर सिंह व महीपाल
सिंह सुपुत्र फारा सिंह ग्राम दैवा डा० खास,
पर० छपरीली, तहसील बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रथ्य अवित्त द्वारा प्रभावहस्ताधरी के पास लिखित भे
किए जा मियें।

स्वाक्षरण :— समें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
प्रचं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम हुसैनपुर में 39,270/- रुपये में बेची
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 60,500/- रुपये आंका
गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महामंडल आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-5-1979
मोहृद :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निवेदा सं० 832-ए—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष(1) के अधीन संखम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 18-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पच्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के
अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीला वती पत्नी श्री दर्शन लाल गुप्ता
निवासी 40 तिलक रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यपाल कुमार सुपुत्र श्री लक्ष्मन दास नि०
ज्वालापुर, पर० ज्वालापुर (हरिद्वार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित आर्यनगर ज्वालापुर परगना ज्वालापुर में
70,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी
मूल्य 1,03,200/- रुपये आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
संखम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई, 1979

निदेश सं० 186-ए०—अत मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपाधा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्री सुखवंश नरायण सिंह सुपुत्र चौ० रघुवंश नरायण सिंह व श्री विनय वंश नरायण सिंह अजय वंश नारायण सिंह पुत्रगण सुखवंश नरायण सिंह उत्तम बाटिका पश्चिमी कच्चहरी रोड, शहर मेरठ।

(अन्तरक)

(1) श्री वीरेन्द्र सिंह सुपुत्र रघुवीर सिंह मौजा मिवाड़ी परगता जलालाबाद, तहसील व जिला गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्भवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अहाता कोठी उत्तम बाटिका कच्चहरी रोड मेरठ में 35000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 48,000/- रुपये आका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-5-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राईंटी ८० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० 848-ग०—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वाँ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 20-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमद्वह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्री जगत मिह व नरेशपाल पुत्रगण श्री गजराज
सिंह, निवासी ग्राम ऐतमादपुर, परगना किठौर,
तहसील मवाना, पोस्ट ऐतमादपुर, जिला मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री महत्सर पाल, जिसे सिंह संरक्षक जगत सिंह
पुत्र गजराज सिंह ग्राम ऐतमादपुर परगना किठौर,
तहसील मवाना, पोस्ट ऐतमादपुर, जिला मेरठ।
(अन्तर्निती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवादिया शुरू करता है।

उक्त सम्भति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम ऐतमादपुर, परगना किठौर तहसील
मवाना जिला मेरठ में 50,000/- रुपये की बेची गई जिसका
उचित बाजारी मूल्य 99,500/- रुपये आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 551/अर्जन/हाथरम/78-79—अत मुझे भ०
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

मेरे स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची मेरे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरम मेरे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मेरे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्ती (अतर्तीत्यो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मेरे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेरे कमी करने या उससे बचने मेरे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ प्रान्तर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेरे सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तरण मेरे, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति :—

(1) श्रीमती रापबेती स्त्री राजेन्द्र प्रमाद निवासी ग्राम वाराजनार नहसील खगवाम हाल ग्राम खेड़ा पमीनी, पौ० मीनी परगता नहसील हाथरम, जिला अनीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजारी नाल पूत्र पोखरमल, चेतराम पुत्र मोनाल निवासी खेड़ा परमोली परगता व नहसील हाथरम, जिला अनीगढ़।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नतम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरे भास्ता होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेरे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरे हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मेरे किए जा सकेंगे।

संषोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मेरे परिभाषित हैं, वही ग्रन्ति होगा, जो उस अध्याय मेरे दिया गया है।

पनुसूची

कृपि सम्पत्ति व्याता न० 112 स्थित ग्राम खेड़ा परमोली परगता व नहसील हाथरम, जिला अनीगढ़ 80000/- रुपये मेरे वेची गई जिसका कि अनमानित उचित बाजारी मूल्य 91130/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी

सकाम प्राधिकारी,

मंडायन आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 2-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई, 1979

निदेश सं० 548/अर्जन/इगलास/78-79—अतः मुझे भ०
भ० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इगलास
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 7-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के वृद्धमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और पूर्ण रूप से यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्दृष्ट प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तर (अन्तरकों) और प्रतिरिक्षी (यन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमो भाय का बायत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दावितव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भाग्यियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या निया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः मर, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की
उपबारा (1) के अधीन निम्ननिवित अवित्यों अर्थातः—

(1) श्री देवदत्त पुत्र नरायण प्रसाद निवासी 5 डा०
इगलास, परगना गोरई, जिला अलीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्द कुमार, राजकुमार बा० व कोमल
कुमार, मुरेश्कुमार, विजयकुमार (ना० बा०)
पुत्रगण रवितदत्त शर्मा, संरक्षिका श्रीमती शिव-
कुमारी (माता) निवासी डा० इगलास परगना
गोरई, जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सार्वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

प्रबोक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 बी० 11 विस्वार० 10 विस्वासी स्थित
इगलास 30000/- रुपये में बेची गई जिसका कि अनु-
मानित उचित बाजारी मूल्य 90000/- रुपये है ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री एन एस—

प्रायोगिक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निवेदण सं. 483/अर्जन/किरावली/78-79—ग्रन्त: मुझे
भ. ८० च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
किरावली में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख 2-9-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फ्रॅट अवधिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) तेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, यथातः—

(1) श्री नत्यी लाल ग्राम रानभला तहसील किरावली
जिला आगरा।

(अन्तरक)

(2) मैं पार्क लेदर इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० ७ शू सेन्टर
आगरा द्वारा किशन स्वरूप सचेवा, डाइरेक्टर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खमरा नं. 897 वामे मौजा रुनकता
तहसील किरावली जिला आगरा 105000/- रुपये में बेंची
गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 185000/-
रु. है।

भ. ८० च० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख 3-5-79

मोहर :

श्रावण शाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 185-ए०/पी० एन०/मेरठ/78-79—ग्रतः
मुझे भ० च० चतुर्वेदी

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय मेरठ
में, रजिस्ट्रीकरण ग्रामिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढूँढ़ेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
ग्रामिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रामिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रामिनियम, या घन-
कर ग्रामिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-व के अनुदरण
में, मैं, उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-व की उच्चारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री निरंजन लाल दत्तक पुत्र लाल परशादी लाल
निवासी मोहल्ला जुबलीगंज रजबन मेरठ कैन्ट।
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र उर्फ विष्णु पुत्र लाला मुसही लाल
निवासी मोहल्ला जुबलीगंज, रजबन मेरठ कैन्ट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोरहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रामिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति (मकान एवं दूकान) स्थित मोहल्ला
जुबलीगंज, उर्फ गोविन्दपुरी, रजबन मेरठ कैन्ट। जो कि
35,000/- रुपये में बेंची गई जबकि उसका उचित बाजारी
मूल्य 50,000/- रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-1979
मोहर

प्र० श्र० आई० टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1979

निदेश सं० 841-ए०—अतः मूले भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उक्त परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के प्रधीन संलग्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो मेरे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मेरे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घाटमपुर मेरे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1978 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत सक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण मेरी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य साहित्यों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण मेरे, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) अधीन, लिखित व्यक्तियों, अवृत् ।—

(1) श्री लक्ष्मी नारायण व सत्य नारायण पुत्र श्री दुलीचन्द्र शुक्ल, निवासीगण घाटमपुर डाकखाना घाटमपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कृष्ण शुक्ल सपुत्र दन्त नारायण शुक्ल निवासी जामू हाल मुकाम गुच्छपुर व अननन्दु कुमार आत्मज श्री जनरेत्र प्रसाद निवासी गुजरा हाल मुकाम गुच्छपुर, डाकखाना घाटमपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करक पर्याप्त नमूनि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त नमूनि ह प्रत्येक के पंचवाँ मेरी मानें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों मेरी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित मेरी किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय मेरी हिया गया है।

अनुसूची

इसी भूमि ग्राम गुच्छपुर परगना घाटमपुर मेरी 20,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 55,000/- रुपये आंकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 3-4-1979

मोहर:

प्रकल्प प्राई-टी-एन-एस—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निदेश सं० 862-ए०—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 21-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

मत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रवर्ति:—

(1) श्री रघुबीर सिंह पिसार बुद्धन निवासी ग्राम
बदनोली परगना सरांवा तहसील मेरठ जिला
मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुखपाली पस्ती हल्म सिंह, निवासी ग्राम
बदनोली, परगना सरांवा, तहसील मेरठ, जिला
मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तसंबंधी अधिकारी द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी भ्रष्ट अधिकता द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लप्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बदनोली में 28,000/- रुपये की
बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 56,550/- रुपया
प्रांका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)
(अर्जन रेज), कानपुर।

तारीख: 4-4-79

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निदेश सं० 772-ए०/सहारनपुर/78-79—अत मुझे, भ०
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकान प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि इवावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-78

को पूर्वोक्त भूमि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भूमि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (मन्त्रितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अन्तर्क नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से मुझे किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिखित में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ के 'अनुसरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ की उपचारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ला० चिलोक चन्द जैन पुन्न ला० गिरधारी लाल जैन निवासी कस्बा चिलकाना परगना सुल्तानपुर, जिला सहारनपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजबुलारी पत्नी ला० रामकिशन अग्रवाल मो० जाफरनवाजखा०, खालापार, (सहारनपुर)
(अन्तर्गत)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसमें मकान, फलदार तथा बिना फलदार वृक्ष लगे हैं एवं मोटर केरिंग पाइप आदि है जिसका कुल रकमा 19 औरा 5 बिस्ता है जो कि 1,40,000/- में बेची गई है जबकि उसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 1,92,000/- रुपया है। उपरोक्त अचल सम्पत्ति ग्राम पट्टा उर्फ नयाबांस परगना सुल्तानपुर, तहसील नकड़ जिला सहारनपुर में स्थित है।

भ० च० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजन रेज, कानपुर

तारीख 9-4-1979

मोहर:

प्रलृप पाई दी न० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निवेश सं० 555/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—ग्रतं मृशे
भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो
मैं स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजाबाद के
कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 4-10-78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्त-
विक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भार की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में उभी
करने वा उम्मे बचने में मुश्विषा के लिए; योर/या

(ख) ऐसी किसी भार वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगलाभ वा उभी हारा प्रकार नहीं। या
गया था वा किस तरह चाहिए था, छिपाने में
गुप्ति के लिए;

उत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री रतनलाल पुत्र फूलचंद, मुरारी लाल पुत्र
सुखलाल, पुरपोत्तम पुत्र पट्टमल निवासीगण
दुली कस्बा फिरोजाबाद जिला आगरा।
(अन्तरक)

(2) श्री शहजर अली, शमशाद अली, दसरत अली
पुत्रगण मीर शौकत अली निवासीगण राई
हुसैनी फिरोजाबाद जिला आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तहसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्द किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्र-
भावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मुसूची

अचल संपत्ति आराजी 61900 वर्ग फुट स्थित दीदामई
तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा 61600/- रु० में बेंची
गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 85500/-
है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
मोहर:

तारीख : 16-4-1979

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 636/अर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे भ०
च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-76GI/79

- (1) श्री ग्रान्तोर महाराजा गृह निर्माण समिति लि०, आगरा द्वारा सचिव राजेन्द्र सिंह कुलश्रेष्ठ पुत्र रामचरन लाल, निवासी विल्लोचपुरा, आगरा।
(2) शारदा देवी स्त्री राजकुमार सिंह सेंगर निवासी आनोख नगर, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नम्बरी 19 सी/10 स्थित नार्थ साकेत आनोख बाजारी आगरा 48000/- रुपये में बेची गई है जिसका कि ग्रन्तमानित उचित बाजारी मूल्य 65700/- आंका गया है।

तारीख : 17-4-1979

मोहर :

भ० च० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269 व (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 882/प्रर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 15-9-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षपात्र प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
बास्तविक कारण सही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कार्य करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-व के अनुसार
में, में, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-व की उपलाप (1)
अधीन निम्नलिखित अविकारों अर्थात् :—

(1) श्री वीरेन्द्र सिंह पुत्र राधा किशन निवासी प्रताप-
पुरा, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरी लाल पुत्र सुमेरा राम निवासी
भाकतोना ताजनंज, आगरा।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड
किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
घर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति आराजी 878.636 वर्ग मीटर स्थित
मौजा राजपुर परगना व जिला आगरा 38000/- रु में
बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 65900/- रु है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-4-1979

मोहर :

प्रकाश पार्टी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अप्रैल 1979

निदेश सं० 500/अर्जन/माट/78-79—प्रतः मुद्रे भ०
च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
माट (मथुरा) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 8-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रसरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपाया (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जतः :—

- (1) श्री मनोहर पुत्र ईश्वरी निवासी कमरेटिया खण्ड,
भैसारा डॉ राया परगना, तहसील माट, जिला
मथुरा।
(अन्तरक)
- (2) श्री बचू मिह, गिरज सिंह, डोरी सिंह वर्मा,
पुत्रगण रूपसिंह निवासी नगला बक्षिणी खण्ड,
सीयरा परगना व तहसील माट, जिला मथुरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
किया जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

हपड़ीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही घर्यं होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

अचल संपत्ति कृषि भूमि खाता नं० 294 स्थित मौजा
इतौली तहसील माट जिला मथुरा 30000/- रुपये में बेची
गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 69440/- रु०
है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी• टी• एन• एस•—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० 381/कोल/अर्जन/78-79—अतः मुझे भ०
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल
(अलीगढ़) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 24-10-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्राप्ति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्भीर का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत अधिक है और पन्थरक (अन्तररक्तों) और प्रन्तरियों
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से 3 रु० किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की भारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुरारी लाल सकरोना पुत्र जयदयाल सकरोना
व सरला देवी सकरोना स्त्री मुरारी लाल सकरोना
हाल निवासी ए०-३९, माउथ एक्स्टेंशन पार्ट
1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश कुमार, राकेश कुमार, विनोद कुमार,
प्रमोद कुमार ना० बालिगान पुत्रगण श्री बृन्दावन
दास व मंरकिका श्रीमती प्रेमवती देवी निवासी
बाबरी मंडी, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त मानित के अंतर्गत के
लिए कार्यदाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्मान्वेदी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में में किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्द-
बद्द किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान भूमध्याला खाना तामीरा पक्का
मय बिजली व नल होथ व चुंगी मय सिक्योरिटी स्थित
जयगंज अलीगढ़ 45000/- रु० में बेंचा गया जिसका कि
अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 60000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-4-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टो० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन नेज़ बाजार
कानपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं 560/अर्जन/प्रर्जन 16, 71- ५- अत मुझ,
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
अधिक है।

और जिसकी म० ८ दिया जो
में स्थित है (आँग डग्स अफ लै अन्यथी में आँग पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के विवाद प्रर्जन
बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्ननिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषिय नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के प्रस्तुक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवस्था को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
व्यवस्था कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्ननिखिल अधिकारी अर्थात्:—

(1) श्री गुरगीलाल अग्रवाल पुत्र मुख्यलाल जी अग्रवाल
निवासी माहतांडा दुर्गा कस्बा फिरोजाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री धीरेन्द्र कुमार गुप्ता, हरी आम गुप्ता, आनन्द
कुमार गुप्ता, श्री भगवान गुप्ता, पुत्रगण
ताला तथा प्रगति जी गुप्ता, निवासी माहतका
चनावर गेट, कस्बा फिरोजाबाद जिला आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के प्रजन के
निए हार्यंकाद्वया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के भवन्धन में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस गुच्छा के राजान्क में प्राप्ति की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अविक्त द्वारा,

(ख) इस गुच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

इन्होंने —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होया जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रचल अधीन स्थित फिरोजाबाद, जिला आगरा में
40000/- रु० में वेची गई जिसका कि अनुमानित उचित
बाजारी मूल्य 60000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 20-4-1979
माहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० 284-ए०/पी० एन०/महारनपुर/78-79—

प्रतः मुझे भ० औ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

(1) सरदार चन्द मिह पुत्र हरनाम मिह निं० अम्बाला रोड, महारनपुर। (अन्तरक)

(2) श्री लाल चन्द व हमराज, मगन लाल पुत्रगण रजादाराम, श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री लाल चन्द व श्रीमती मिरावादेवी पत्नी रजादाराम, निवासी ब्लॉक एंटर नं० जी-26, गोपाल नगर, नुमायश कैम्प, सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्षिय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्ककरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रक्का 15 बीघा 14 बिस्सा स्थित भौजा खलीवाला ५० व तह० व जिला सहारनपुर। जिसमें बिल्डिंग बाउन्डरी वाल, द्यूवेल, बिजली फिर्टिंग, मोटर आदि हैं जो कि 48,000/- रु में बेंची गई जबकि उसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 78,000/- रुपये है।

भ० औ० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-4-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी • एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निदेश सं० 170-ए०/पी० एन०/मुजफ्फरनगर/78-79—
अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
केराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 14-9-1978

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है : —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
विवित में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों के अन्तर्गत : —

(1) श्री रमेश चन्द्र पुत्र लाल धारे लाल निवासी
कस्बा शामली, डॉ खास, पर० शामली, जिला
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र कुमार पुत्र श्री खजान सिंह, निं०
कस्बा, शामली डॉ खास, पर० शामली, जिला
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट
किसी अन्य अन्तियि द्वारा अधिकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो दुकान क्षेत्रफल 2007 एवं 280 वर्ग फीट स्थित
वाकें ग्राम शामली बैश्य कालेज रोड परगाना शामली जिला
मुजफ्फरनगर जोकि 30,000/- रुपये में बेची गई जिसका
उचित बाजारी मूल्य 48,750/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 25-4-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निदेश सं० 197-ए०/पी० एन०/मुजफरनगर/78-79—
अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अस्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवाति।—

(1) श्री प्रत शिंह व मन्यान शुक्रगण खजान शोभाराम पुरा कत्तवा निवासी माम शिवपुरी, डॉ भीरापुर, जिला मुजफरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनवान शिंह व वावूराम शुक्रगण घोटन शिंह निवासी आग अकबरपुर गढ़ी, डॉ मवाना, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामोंल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के दोनों पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के दायित्व में विविध में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायार 20-क में परिभाषित है, वहाँ आय होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रक्वा 10 बीघा, 9 विश्वा स्थित ग्राम जमानपुर बांगर पगरगांव भुम्मा मम्भल हेडा, तहसील जानसठ जिला मुजफरनगर जो कि 20,000/- रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 41,920/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एम० एस०—

बाबकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के प्रदीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निवेश सं० 279-ए०/पी० गन०/महारनपुर/78-79—

अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के प्रदीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
हथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्गह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमत्तरित (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक कर से कठित नहीं किया गया

है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रदीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में करने
वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तिवर्णों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के अन्तरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपषारा (1) के प्रदीन.
निम्नलिखित अधिकारी, प्रबंधत :—

12-76GI/79

- (1) श्रीमती हरप्पारी पत्नी गनेशी सिंह निवासी ग्राम
कला रामपुर, जिला बदायुं, ८० डिवाई। (अन्तरक)
- (2) श्री बहूजीत, जगजीत नवाजिजान पुत्रगण श्री
आराम सिंह सा० मिलहरी, मजरा राम पुर,
जिला महारानपुर।

(प्रमत्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी व्यापक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद वे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी
अधिकता द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त धनावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अधिकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 200 में परिचित
है, वही अर्थ होता जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

मनुष्यों

कृषि भूमि स्थित थाके ग्राम रामपुर जिला सहारनपुर
जो कि 45,000/- रुपये में बेंची गयी जबकि उसका अनु-
मानित उचित बाजारी मूल्य 90,000/- रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी
मन्त्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 25-4-1979

मोहर :

प्रकरण नं० ८०५-टी० एन०एच०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आवा

269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० 805-ए०/मुजफ्फरनगर/78-79—अतः मुझे
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी आरा 269वा
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख 8-9-78
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने पा सक्षम बचते में सूचिता
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी पाय या किसी छत या अन्य प्रादितियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती पाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सूचिता के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की आरा 269वा के अनुचरण
में, उक्त अधिनियम, भी आरा 269वा की उच्चात् (1)
अवैतनिक निम्नलिखित अवितरी, अवर्ति :—

(1) श्री मंगल पुत्र सागर निवासी ग्राम नोना, पर०
खतोली, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश अन्द्र व रमेश अन्द्र पुत्रगण श्री दीप-
चन्द्र, निं० ग्राम खतोली, पर० खतोली, जिला
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितरी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर
अवितरी में से किसी अवितरी द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवितरी द्वारा, अवैतनिक आयकर के पाय
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उम प्रधाय
में विदा जाये।

अनुसूची

हृषि भूमि स्थित ग्राम नोना पर० खतोली जिला मुज-
फ्फरनगर जो कि 48,000/- रुपये में बेची गई जबकि
उसका उचित बाजारी मूल्य 70,000/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-79
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ट्रॉ० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण)

ग्रन्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निवेश सं० 842-ए०/कानपुर/78-79—ग्रतः मुझे, भ०
च० चतुर्बेंदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 27-9-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रत्यरु
खिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी भ्रन या अन्य आक्षितियों,
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम वा
ब्रन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

गत : प्रब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, वे, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जूम्मादेह बेवा बड़ी प्रसाद सां मीतरगांव
पोस्ट बारी मीतरगांव परगना घाटमपुर, जिला
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सर्वेश कुमार, प्रबद्धेश कुमार, नरेश कुमार,
पुत्र हस्तिंशनारायण साकिन मीतरगांव पोस्ट
बारी मीतरगांव, परगना घाटमपुर, जिला कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास
मिलित में किए जा सकें।

स्वाक्षरता:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि मौजा मीतरगांव परगना घाटमपुर जिला
कानपुर में 40,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित
बाजारी मूल्य 83,500/- रुपया आंका गया है।

भ० च० चतुर्बेंदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण),
ग्रन्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-79

मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

आरा 269-ग (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

निवेश सं० 302-ए०/अर्जन/बुलन्दशहर—आतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ग के पश्चीन संकेत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के लिए तथ पाया जाना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरक से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः यद्य, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपाखण (1) के अधीन विस्तारित व्यक्तियों, प्रतित :—

(1) श्री बृजबिहारी गुप्त पुत्र श्री नारा गिरधारी लाल निवासी सिविल लाइन, बुलन्दशहर (अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोक सिंह व दीपचन्द्र पुत्र गण श्री पृथ्वी सिंह व श्योमेश्वर सिंह पुत्र दीपचन्द्र व श्योमपाल सिंह पुत्र त्रिलोक चन्द्र सभी निवासी गण आम भवैदी शहर, अनूपशहर बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रैल :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूर्बोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान (क्षेत्रफल 2280 वर्ग गज) स्थित मो० कोडियान शहर बुलन्दशहर जो कि 1,75,000/- रुपये में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित आजारी मूल्य 2,42,400/- रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 26-4-79

मोहर :

प्र० प्र० प्र० श्री० एव० एस०—————

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निवेश सं० 833-ग०/बुलन्ड शहर/78-79—अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन संख्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मिकन्डराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन तारीख 18-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक से रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपशारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अवधारित :—

(1) श्री विजय सिंह व तारा सिंह पुत्र लखपत सिंह
व करन सिंह पुत्र लखपत सिंह व परनाम सिंह
व योगेन्द्र पाल सिंह पुत्रगण करन सिंह नि०
ग्रा० मराय जगन्नाथ, पर० सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशल व सुन्दर पाल पुत्रगण श्री नवाब
सिंह व बीरपाल पुत्र धर्म सिंह उर्फ धर्मपाल
सिंह व उदयपाल सिंह पुत्र विजयपाल सिंह नि०
ग्राम सुखलाल पुरा (सिकन्दराबाद)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियाँ करता हैं।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अषोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अव-
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम सनेदपुर, परगना सिवान (सक-
न्दराबाद) जो कि 1,38,000/- रुपये में बेची गई जबकि
उसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 3,28,000/- रुपय
है।

भ० च० चतुर्वेदी
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-1979

मोहर :

प्राप्त पाईदी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-व (1) के प्रबोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

निरेश सं० 850-ए०—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रबोन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मध्याना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का पक्षद्वय प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जाया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तारण विविध मास्त्रिक रूप से कठित मर्ही किया गया है:—

(क) प्रस्तारण से हुई किसी आव द्वारा उक्त 'अधिनियम' के प्रबोन कर देने के अन्तरक के वायाय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी अन्य प्रम्य प्राप्तियों को जिसमें सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामें प्रस्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

आव: अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के अनुसार में, मेरे उक्त अधिनियम को बारा 269-व की उप-बारा (1) के प्रबोन निम्नलिखित अधिकारी, अवैति।—

(1) श्रीमती अनराधा पत्नी सरदार सिंह ग्राम व डाक: गंगापुर, जनूबी, परगना किठौर (मेरठ)।
(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार पुत्र जगदीश व शान्ति देवी पत्नी जगदीश ग्राम व डाक: गंगापुर, जनूबी, पर. किठौर (मेरठ)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिकालीन विवरण नहीं है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससंबंधी अधिकारी पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रबोनस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गंगापुर, डरवी पर. किठौर 59,984/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 82,500/- रुपये आंकी गई है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज, कानपुर

तारीख : 26-4-79
मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निवेश सं० 860-ए०/गाजियाबाद/78-79—अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1) के
अधीन सभी सम्पत्ति को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो
मेरे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 25-9-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या इनके अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269(1) के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपाधारा (1),
अन्तरित अधिनियमों, अर्थात्—

(1) श्री राम कुमार गोपल पुत्र श्री भूरेलाल निवासी
हाल, 127, मोहल्ला कन्हैयालाल यलीपटवाबाली व मनोहर
लाल गुप्ता पुत्र लाला सागरमल निं० 287, राइट गं
गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती माविकी देवी पत्नी सत्यप्रकाश, राज
कुमार, पवन कुमार, मुमेश कुमार, पुरुष
सत्य प्रकाश, निवासी 43, कैलाशबालान, वेहली
गेट, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षितियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिनियम द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्कृष्ण

प्लाट नम्बर 87 क्षेत्रफल 200 बर्ग गज स्थित नवयुग
मार्केट, गाजियाबाद जो कि 1,30,000/- रुपये में बेचा
गया जिसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 2,40,000/-
रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 26-4-1979

मोहर:

प्रकप भाई०टौ०एन०एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निवेद सं० 863-ए०/मेरठ/78-79—ग्रतः मुझे, भ०
भ० अनुबोद्धी

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय
मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 22-9-1978 को
पूर्वानुसूचि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसृति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वानुसूचि सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अनुसृति (अनुसृतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उम्मीद
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसूचणा लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूचणा से दुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के राखितमें
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अनुसृति द्वाय प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के प्रायुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
में निम्नलिखित अवितरणों, जरूरतः—

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र लालो मोम प्रकाश माला
रडकी, तहसील खास, जिला सहारनपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानेन्द्र पाल्डे पुत्र जी० डी० पाण्डेय जवाहर
क्वार्ट्स सिलिंग लाइस (मेरठ)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वानुसूचि सम्पत्ति के अवैतन के
लिए कार्यानुसूचियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी वालोंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उससे अधिक दिनों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुसूचि
अवितरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता
किसी अन्य अवितरण द्वारा अवैतनिकारी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुबोद्धी

बंगला नम्बर ए०-३ क्य०० नम्बर 86 जावाहर क्वार्ट्स
शहर मेरठ में 50,000/- रुपये का बेचा गया जिसका
उचित बाजारी मूल्य 83,500/- रुपये आंका गया है।

भ० च० अनुबोद्धी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-1979

मोहर :

प्रकाश अर्डों टो० ए० २०००--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निवेदण मं० 286-ए—अत मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद मे, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कर्तिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी रूप या मूल्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या वसन्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मे, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात :—

13—76GI/79

(1) श्री पी० भी० गोयल तथा श्रीमती कुमकुम गोयल निवासी के० बी० ७८/८-ए, कवीनगर, गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती इकबाल जहा ब्रेगम पत्नी महयद हजीजउर रहमान निवासी 413 गली मंडिर महल जामा मसिजद, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबैध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपद मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क, मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित कवीनगर गाजियाबाद मे 1,02,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,40,000/- रुपये आका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 27-4-79

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निवेद नं. 794-ए०/मेरठ/78-79—ग्रत: मुझे, भरत
चन्द्र चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संरक्षि त्रिपक्ष उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
दे प्रधिक है

और जिमकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बागपत
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 1-9-1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थवाक्य सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिशतों (प्रतिशतों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पात्र गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
त्रिपक्ष में वास्तविक रूप से नहीं दिया गया है:—

(क) प्रतिरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में नहीं करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री उपराव मिह सुपुत्र श्री होशियार मिह,
निवासी तुगाना परगना छपरौली, तहसील बागपत
जिला मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री श्याम मिह व रामचन्द्र मिह व मुख्यी मिह
पुत्र होशियार मिह, निवासी तुगाना परगना
छपरौली, तहसील बागपत, जिला मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के उक्तन्त्र में कोई भी आधेर:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रत्यं होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम तुगाना मे 1,25,000/- रुपये
की बेची गई जिमका उचित बाजारी मूल्य 1,86,450/-
रुपये आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 826-ए०/मेरठ/78-79—अतः मुझे भ० च० चर्चवेंदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय भवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित घटेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मुनशरीफ पुत्र श्री शेरदीन व श्रीमती वकीला पत्नी मुनशरीफ निवासीगण फलाबदा डा० खास तहसील मवाना, जिला मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री विजय पाल सिंह व मनोज कुमार पुत्र श्री भोपाल मिह निवासी मन्दवाडी, डा० फलाबद तहसील मवाना, जिला मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आयंवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अघोहम्नाकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 61/3 स्थित ग्राम फलाबदा तहसील मवाना जिला मेरठ जो कि 43,900/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 92,800/- रुपया है।

भ० च० चर्चवेंदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-4-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अप्रैल, 1979

निवेश सं० 764-ए०/देहरादून/78-79—अतः मुझे, भ०
च० अतुर्वदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 28-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थवाक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उत्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ओय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें पारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बेवती देवी बेवा स्व० श्री हरिष्वन्द्र गुप्ता,
आनन्द स्वरूप, रघुनन्दन गुप्ता, पवन बुमार
गुप्ता, प्रमोद कुमार गुप्ता, पुनर्गण श्रीमती गुप्ता,
पुत्री स्व० श्री अमर नाथ निं० 44, सहारनपुर
रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला पुत्री चौ० श्रीराम निं० धनी
रामपुरा, तहसील गुलला, जिला कुरुक्षेत्र (हर-
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 44-ए (नया नं० 65) स्थित
सहारनपुर रोड, देहरादून। जो कि 85,000/- रुपये में
बेची गई गवाक उसकी अनुमानित बाजारी मूल्य 1,08,260/-
रुपया है।

भ० च० अतुर्वदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-4-1979

मोहर :

प्राप्तप्राप्ति० टी० एन० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 520/अर्जन/ग मादपुर/78-79—ग्रतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मैं स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय एत्मादपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण विविहत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धननकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्ति अन्तरण, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार भ० मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति।—

(1) श्री लक्ष्मी नरायन पुत्र राजनरायन निवासी आजादगली, आगरा व विष्णु बाबू पुत्र राम बाबू निवासी 136 अबतार मिह रोड, कैन्ट। (अन्तरक)

(2) फर्म जी० सी० इन्डस्ट्रीज, बौम लंगड़े की चौकी बजारिये अनिल कुमार पुत्र राज नरायन अग्रवाल, निवासी आजादगली, आगरा (पार्टनर) (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति श्राराजी प्लाट क्षेत्रफल 3000 वर्ग मीटर स्थित ग्राम जरायच मुस्तकिल परगना एत्मादपुर जिला आगरा 35000/- में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 60000/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 30-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप आर्डॉटी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 10 मई 1979

निदेश सं० ए०-218/गोहाटी०/78-79/135-137—अतः
मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा० के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 572 और पच्चु सं० 230 है
तथा जो उल्लूबारी टाउन, मौजा उल्लूबारी, जिला कामरूप,
गोहाटी (असम) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के
अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ततः—

(1) श्रीमती रमालली चौधरी, स्व० जयनाथ चौधरी
ए० आर० रोड, गोहाटी, की पत्नी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री तुकम चन्द जैन, 2. श्री निरंजन चक्रवर्ती
3. श्री सरदा प्रमाद तिवारी, सभी गोहाटी
के वासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतच्छारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) विगहा 2 (दो) कट्टा
10 (दस) लमा जी उल्लूबारी टाउन, मौजा उल्लूबारी,
जिला कामरूप, गोहाटी (असम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 10-5-1979

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd May 1979

No. F 6/79-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri S. Banerjee, Assistant Registrar as Officiating Deputy Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 1st May, 1979, until further orders.

2. On his reversion from the Commission of Inquiry on Large Industrial Houses, Department of Industrial Development, Shri A. P. Bhandari has joined his duties as officiating Assistant Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1st May, 1979.

3. Shri R. N. Joshi who was officiating as Assistant Registrar reverts to his substantive post of Court Master with effect from 1st May 1979 (F.N.).

R. SUBBA RAO,
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 2nd May 1979

No. F.6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri B. S. Jain, Assistant, as Officiating Section Officer, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1 May, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th April 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In partial modification of para 2 of this Office Notification No. A.12025(ii)/1/77-Admn. III dated 12-3-79, Shri S. K. Arora, an officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, has been appointed to perform the duties of Desk Officer for a period upto 18-4-79 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In continuation of this Office Notification of even number dated 9-2-79, the President is pleased to appoint Shri Kishan Singh, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to perform the duties of Desk Officer for a further period of 4 months from 1-4-79 or until further orders, whichever is earlier, in the Office of Union Public Service Commission.

2. Shri Kishan Singh shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month, for the period he performs the duties of Desk Officer, in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

No. A.32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Section Officer in the same cadre for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No	Name	Period for which promoted as Section Officer
1.	Shri B. R. Basra,	1-4-79 to 30-4-79.
2.	Shri N. M. L. Bhatnagar,	1-4-79 to 30-4-79
3.	Shri K. P. Iyer,	10-4-79 to 30-4-79.

The 20th April 1979

No. A.32013/2/77-Admn I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 20-4-79 to 19-7-79 or until further orders whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

The 24th April 1979

CORRIGENDUM

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 24-2-79, the President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each, until further orders.

S. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri G. P. Saxena,	15-2-1979.
2.	Shri R. N. Khurana,	1-3-79.
3.	Shri B. S. Kapur,	1-3-79.
4.	Shri J. P. Goel,	1-3-79.
5.	Shri S. Srinivasan,	1-3-79.
6.	Shri D. P. Roy,	1-3-79.

The 27th April 1979

No. P/1857-Admn.I.—The appointment of Shri Gyan Prakash an Officer of the Indian Economic Service, as Officer on Special Duty (Advisers' Panel), on deputation, in the office of the Union Public Service Commission, has been extended upto 31-3-1980, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi the 3rd May 1979

No. V-4/71-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby grants proforma promotion to Shri Vishwa Mittra Mahajan, Public Prosecutor in C.B.I., who is at present on deputation as Assistant Legal Adviser, Enforcement Directorate, New Delhi to the rank of Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, with effect from 28-8-1978 on ad-hoc basis, and until further orders.

S. K. JHA,
Dy. Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 7th May 1979

No. R-8/73-Ad.v.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri R. Chakravarti, a retired Section Officer of the Ministry of Home Affairs Cadre, as Junior Analyst in the Central Bureau of Investigation with effect from 2-5-79 (F.N.) on re-employment basis for a period of three months or till regular substitute is selected and appointed in his place, whichever is earlier.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE,

New Delhi-110001, the 5th May 1979

No. O II-1438/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Major A. R. Biswas (Retd.) as Asstt. Commandant in the CRPF until further orders.

2. Major A. R. Biswas took over charge of the post of Asstt. Commandant AWS-III CRPF Gauhati on the forenoon of 6th April, 1979.

The 7th May 1979

No. O.II-1433/79-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Prameela Verma as a Senior Medical Officer (Commandant) in the CRPF Force in a temporary capacity

with effect from the forenoon of 4th April, 1979 until further orders

No O II-1439/79-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S K. Podar, an officer of Indian Audit and Accounts Service as Deputy Director (Accounts) in the CRPF w.e.f. 23.4.79 (F.N.) till further orders.

No O II 1045/75-Fstt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17.12.78 for a period of 3 months only or till recruit ment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

A K BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi, the 5th May 1979

No E 16013(2)/6/74 Pers.—On transfer on deputation Shri R. P. Singh IPS (WB-72), has assumed charge of the post of Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the afternoon of 11th April 1979 vice Shri V. Sahai, IPS (WB 67) who on repatriation to State Cadre relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

A N BHALLA
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi 110011 the 4th May 1979

No 11/64/79-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri S. R. Chakraborty an officer belonging to the Manipur Tripura Cadre of the Indian Administrative Service as Director of Census Operations Tripura, Agartala with effect from the afternoon of 7 April 1979 until further orders.

2 The headquarters of Shri Chakraborty will be at Agartala.

V P PANDEY,
Deputy Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

**OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA**
NEW DELHI

No 1534—Consequent on his permanent absorption with the National Thermal Power Corporation Limited with effect from 1.4.78 sanctioned by the Government of India, Ministry of Finance Shri M. L. Aggarwal Audit Officer (Commercial) has retired from Government service from the same date.

M S GROVER,
Deputy Director (Commercial)

MINISTRY OF DEFENCE

**DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta, the 3rd May 1979

No 26/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg Managers/Sr. DADGOFs with effect from the date shown against them, until further orders.

- (1) Shri R. K. Sarmalk, Pt DM 20th Feb 1979
- (2) Shri D. Sen, Pt DM, 15th Feb 1979
- (3) Shri S. P. Pal Offg DM, 15th Feb 1979
- (4) Shri A. R. Basu Offg DM, 15th Feb 1979
- (5) Shri S. B. Pal Offg DM, 15th Feb 1979

V. K. MEHTA,
Asstt Director General Ordnance Factories

**MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES**
New Delhi, the 26th April 1979

No A-19018(409)/79 Admn (G)—The President is pleased to appoint Shri S. M. Meena, Deputy Director in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, New Delhi as Director (Gr. II) (Economic Investigation) Grade II of (IFS) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of 5th March, 1979, until further orders.

The 3rd May 1979

No 12(521)/65-Admn (G)—The President is pleased to appoint Shri N. G. V. Subramaniam Research Officer, in the Directorate General of Shipping Jahanzeb Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay as Deputy Director (Expert Promotion) in Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 30th March, 1979, until further orders.

M P GUPTA,
Deputy Director (Adm.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta 700016 the 30th April 1979

No 2318B-A-32013(1-Ass't Geol)/78/19A—The following Senior Technical Assistants (Geology) Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30 740 35-810 EB-35-880 40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further orders.

- 1 Shri Sund Kumar Banerjee—25.1.79 (A.N.)
- 2 Shri Deb Kumar Deb Roy—30.1.79 (F.N.)
- 3 Shri S. K. Bhattacharya—25.1.79 (A.N.)
- 4 Mrs Sumitra Sen—25.1.79 (A.N.)

V S KRISHNASWAMY,
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th May 1979

No A 19011(139)/72 Estt A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar, Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-3-79.

S BALAGOPAL, Head of Office

**SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERALS OFFICE**

Dehradun, the 4th May, 1979

No C-5494/707—The undermentioned officers are appointed officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis.

Sl No	Name and Designation	Unit/Office	with effect from
1	Shri N. C. Thakurta, Draftsman Div I, Sel Gde	No. 66(ACCM) Party (Surair) New Delhi	1st March, 1978 (F.N.)
2	Shri S. S. Rawat, Surveyor Sel Gde	No. 65(TCM) Party (Surair) New Delhi.	1st March, 1978 (F.N.)

The 7th May 1979

No. C-5495/718-A.—Shri U. S. Srivastava, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Surveyor General's Office, Dehra Dun in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from 14th April 1979 (F.N.) *vice* Shri R. S. Sharma, Establishment and Accounts Officer retired on 31-3-79 (A.N.).

K. L. KHOSLA, Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th April 1979

No. 2/6/62-SII.—On attaining the age of superannuation Shri M. G. Victor, Administrative Officer, All India Radio, Tiruchirapalli has retired from Government Service with effect from 31-3-79 (AN).

S. V. SESHDARI, Dy. Dir. of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 30th April, 1979

No. A. 12026/5/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bhaskar Nayar, Technical Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate on *ad-hoc* basis with effect from 18th April, 1979 (Forenoon) *vide* Shri C. Abraham, Assistant Media Executive, proceeded on leave.

R. NARAYAN, Dy. Dir. (Advertising)
for Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi, the 4th May 1979

No. A.38020/1/79-Est.—Shri P. S. Narayanan, a permanent Assistant Production Manager (Printed Publicity) of this Directorate expired on 25th April, 1979.

R. DEVASAR, Dy. Dir. (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE
(DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 2nd May 1979

No. A.11013/1/79-PMS.—In this Ministry's Notification No. A.12011/1/78-H, dated the 11th April, 1978 for the words "Honorary Dental Adviser", the words "to the Director General of Health Services" may be substituted.

N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd May 1979

No. A.12026/19/78(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. P. C. Sen, a Specialist Grade II officer of the Central Health Service to the post of Adviser (Nutrition) in the Directorate General of Health Services on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 30th March, 1979 until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Admn. (O&M)

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun-248001, the 3rd May 1979

No. 4/4/79-Adm.—Shri S. S. Pande, Assistant Conservator of Forests, Maharashtra State (Thana Division, Thana), is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Pre-investment Survey of Forest Resources, Central Zone, Nagpur on deputation basis w.e.f. 11th April, 1979 (FN) until further orders.

C. L. BHATIA, Chief Coordinator

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 2nd May 1979

No. G-1459/174-Med/Estd.I/1968.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Om Prakash Gupta a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from 28-2-1979 (AN).

T. T. PISHORI, Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 3rd May 1978

No. PA/81(4)/78-R-IV/866.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pran Nath Sharma, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

No. PA/81(4)/78-R-IV/866.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vasant Waman Bedekar, a permanent Scientific Assistant (B) and an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

No. PA/81(4)/78-R-IV/866.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Trichur Krishnan Subramanian, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

The 8th May 1978

No. PA/87(6)/77-R-IV/867.—On transfer from the Central Railway, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints in a temporary capacity Shri Anil Vishnupant Kotwal, a permanent Highly Skilled Fitter (Electrical) and officiating A.C. Traction Instructor in the Central Railway, Bhusawal as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of December 1, 1977 until further orders.

The 29th December 1978

No. PA/81(19)/78-R-IV/868.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, Appoints Shri Remedios Conceicao Coutinho, a permanent Chargehand in the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Foreman, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

The 9th February 1979

No. PA/81(19)/78-R-IV/868.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of VFC of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the forenoon of August 1, 1978 in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

Sl. No.	Name	Permanent post held. If any	Officiating post
1	2	3	4
1.	Shri Dwipendu Kumar Ghosh	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
2. ..	Tarun Kumar Dutta	—	-do-
3. ..	Vishwas Vasudeo Tambwakar	—	-do-

No. PA/81(19)/78-R-IV/868.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the dates indicated under col. 5 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

Sl. No.	Name	Permanent post held, Officiating as if any	Date	
1	2	3	4	5
1.	Shri Tirumal Krishnarao Kunchur		Scientific Assistant (C)	1-8-78 (FN)
2.	Shri Sheshu Bodharao Karweer	—	Do.	Do.
3.	Shri Perungulam Venkatachalam Sankaran	—	Do.	Do.
4.	Shri Avinash Neelkanth Joshi	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
5.	Shri Arvind Govind Taskar	Chargehand	Foreman	Do.
6.	Shri John Baptist Mendonza	Assistant Foreman	Do.	Do.
7.	Smt. Girija Bharathan	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)	Do.
8.	Shri Sadanand Vasudev Malvankar	Do.	Do.	Do.
9.	Shri Nagarmatt Devendra Nayak	Do.	Do.	Do.
10.	Shri Sadashiv Hanama Shelke	—	Do.	Do.
11.	Shri Peri Appayya Somayajulu	—	Do.	Do.
12.	Shri Pravinchandra Vrajlal Vyas	—	Do.	Do.
13.	Shri Vijay Kumar Sharma	—	Scientific Assistant (A)	Do.
14.	Shri Govindarajan Krishnamachari	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
15.	Shri Palamadai Narayanan Ramaswamy	Scientific Assistant (C)		Do.
16.	Shri Kanhaya Lal Popli	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)	Do.
17.	Shri Suresh Shriram Tambe	—	Scientific Assistant (C)	1-8-78 (FN)
18.	Shri Nilakantaiyer Sankaranarayanan	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
19.	Shri Arvindkumar Chandmal Bhuta	—	Do.	Do.
20.	Shri Dayal Bhagwandas Talreja	—	Do.	Do.
21.	Hariharan Kollathu Mani	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
22.	Shri Rajendra Prakash Gupta	Do.	Do.	Do.
23.	Shri Mansubdar Madhwaraao Venkatesh Murthy	—	Do.	Do.
24.	Shri Plathodathil Thomas Thomas	—	Do.	Do.
25.	Shri Vadakeveetile Koshy Abraham	—	Do.	Do.
26.	Shri Tlrumal Bukkapattanam Sheshshai	Scientific Assistant (A)	Do.	Do.
27.	Shri Chalakudi Venkatachalam Narayanan	Do.	Do.	Do.
28.	Shri Joginder Singh	D'man (A)	D'man (C)	Do.
29.	Shri Parameswaran Ramachandran	—	Scientific Assistant (C)	Do
30.	Shri Shridhar Murlidhar Limbkar	—	D'man (C)	Do.
31.	Shri Shantaram Pandurang Prabhu	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)	Do.
32.	Vinappillil Kesava-Menon Sasidharan	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
33.	Shri Krishnamoorthy Swaminathan	Do.	Do.	Do.
34.	Shri Puthanycetil Ramachandran Menon	Scientific Assistant (A)	Do.	Do.
35.	Shri Durgadas Gangadhar Bagul	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
36.	Shri Sharad Vamanrao Benadikar	D'man (A)	D'man (C)	Do.
37.	Shri Madhavankalavadakkethil Narayananpillai Balakrishna Pillai	—	Scientific Assistant (C)	Do.
38.	Shri Thekkemappilly Raman Govindankutty	—	Do.	Do.
39.	Shri Kurumthalachal Narayananpillai Chandrasekharan	—	Do.	Do.
40.	Shri Kollengode Sadasivan	—	Do.	Do.

1	2	3	4	5
41. Shri Tapas Kumar Ray	.	—	Scientific Assistant (C)	1-8-78 (FN)
42. Shri Sharad Raghavendra Joshi	.	—	Do.	Do.
43. Shri Pattarakattil John Chandy	.	—	Do.	Do.
44. Shri Panachickal Antony Varkey	.	—	Do.	7-8-78 (FN)
45. Shri Salil Suresh Datta	.	—	Do.	1-8-78 (FN)
46. Shri Rajaram Ganapati Vedapathak	.	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
47. Shri Kochckizhakkethil Chacko Thomas	.	—	Do.	Do.
48. Shri Ravindra Madhav Barve	.	—	Do.	Do.
49. Shri Romesh Kumar Budhwar	.	—	Scientific Assistant (B)	Do.
50. Shri Jagadishchandra Narottamdas Kapasi	.	—	Scientific Assistant (C)	Do.
51. Shri Krishnaswami Ganapathiraman	.	—	Foreman	Do.
52. Smt. Mrudula Manoharlal Bakshi	.	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
53. Shri Nirmala Aziz Mirza	.	—	Do.	Do.
54. Shri Murlidhar Vishwanath Jadhav	.	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
55. Shri Satish Krishna Kelkar	.	—	Do.	Do.
56. Shri Damodar Madhav Abhyankar	.	—	Do.	Do.

S. RANGANATHAN,
Dy. Establishment Officer (R)

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 26th April 1979

No. DPS/21/1(3)/78-Est/12187.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mazharali Abdulla Shaikh, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28-3-79 FN until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

Madras-600 006, the 21st April 1979

No. MRPU/200(14)/79-Admn.—Consequent to the assumption of charge by Shri M. A. Shaik as Assistant Stores Officer in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam with effect from the forenoon of March 2, 1979 Shri H. Ganapathy, Assistant Stores Officer (adhoc) in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Atomic Power Project Stores is reverted to the Post of Storekeeper in the same Unit with effect from the forenoon of March 28, 1979.

No. MRPU/200(16)/79-Admn.—The Director Purchase and Stores, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri V. Balakrishnan an officiating storkeeper in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of February 27, 1979 until further orders.

Shri V. Balakrishnan assumed charge on the forenoon of February 27, 1979.

No. MRPU/200(12)/79-Admn.—The Director Purchase and Stores, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri T. V. Ramaswami an Officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Regional Purchase Unit, Madras as Officiating Assistant Purchase Officer in the same unit with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 16, 1979.

No. MRPU/200(210)/79-Admn.—The Director Purchase and Stores, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri M. A. Shaik an Officiating Storekeeper in the

Directorate of Purchase and Stores, Central Stores Unit, Trombay as Officiating Assistant Stores Officer in the Madras Atomic Power Project Stores of Directorate of Purchase and Stores, Kalpakkam with effect from the forenoon of March 28, 1979, until further orders.

Shri M. A. Shaik assumed charge on the forenoon of March 28, 1979.

S. RANGACHARY, Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 29th March 1979

No. PAR/0704/973.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 14-3-1979 to 28-3-1979.

U. VASUDEVA RAO, Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 30th April 1979

No. RAPP/Rect/7(8)/79/S/263.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. A. Kajjan, a permanent Upper Division Clerk in the Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Selection Grade Clerk in Narora Atomic Power Project to officiate as an Officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-960) in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 19th March, 1979 until further orders.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
(INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 4th May 1979

No. E(1)03765.—On attaining the age of superannuation Shri T. S. Govindaswamy, Assistant Meteorologist, Office of the Director (Agricmet), Pune, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 28-2-1979.

No. E(1)04107.—On attaining the age of superannuation Shri A. K. Banerjee, Assistant Meteorologist of the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-1-79.

The 5th May 1979

No. E(1)04255.—On attaining the age of superannuation Shri N. B. Ghosh, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-3-1979.

No. E(1)05111.—On attaining the age of superannuation of Shri A. K. Lal, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 29-2-1979.

G. R. GUPTA, Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th April 1979

No. A.32014/1/79-EC.—In continuation of this Department Notification Nos. A.32014/1/78-EC, dt. 17-7-78 and A.32014/1/78-EC, dt. 16-11-78 and No. A.32014/1/78-EC, dt. 8-12-78, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis to

No. A.32013/9/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/77-EC dated the 29th July, 1978 and modification of items 1 and 4 of Notification's No. A. 32013/9/13-EC dated 22-3-79, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer at the station and for the period indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	Period of continued appointment
S/Shri			
1. V. C. Reddy	Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	Beyond upto	31-12-78 30-1-80
2. T. R. Shastri	Aero. Comm. Stn, Bombay	Beyond upto	28-11-78 29-11-79
3. M. Aruldas	Regional Controller of Communication, Madras	Beyond upto	27-9-78 28-9-79
4. T. N. Mehta	Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	Beyond upto	31-12-78
5. K. Chandrachudan	Aero. Comm. Stn, Madras	Beyond upto	27-9-78 28-9-79
6. N. R. N. Iyengar	Aero. Comm. Stn, Gauhati	Beyond upto	27-9-78 28-9-79

This Department Notification No. A. 32013/9/78-EC, dated 3-4-79 is hereby cancelled.

The 3rd May 1979

No. A. 32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shri Ch. Venkatachalam	Aero. Comm. Stn, Nagpur	Aero. Comm. Stn, Nagpur	30-3-79 (AN)	
2. Shri B. Kumar	Aero. Comm. Stn, Calcutta	Aero. Comm. Stn, Calcutta	30-3-79 (FN)	
3. Shri V. B. Chaugule	Aero. Comm. Stn, Aurangabad.	Aero. Comm. Stn, Bombay.	31-3-79 (FN)	
4. Shri V. K. Rastogi	Aero. Comm. Stn, Bombay	Aero. Comm. Stn, Bombay.	31-3-79 (FN)	

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration.

the grade of Assistant Technical Officer on regular basis wef 23-3-79 at the station indicated against each :—
S No., Name and Station of posting

1. Shri H. L. Aroia, Aero. Comm. Stn, Bombay.
2. Shri J. C. Ray Aero. Comm. Stn, Calcutta.
3. Shri R. N. Banerjee, Aero. Comm. Stn., Calcutta.
4. Shri Krishan Lal, Aero. Comm. Stn, Varanasi.

No. A. 32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	Date of taking over charge
1. Shri S. N. Sampath	Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	26-3-79(FN)	
2. Shri T. S. Krishnamurthy	Aero. Comm. Stn, Madras	29-3-79(FN)	
3. Shri K. Srinivasan	Aero. Comm. Stn, Madras	29-3-79(FN)	
4. Shri N. N. Nambiar	Aero. Comm. Stn, Madras	31-3-79(FN)	

No. A.32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri E. C. Lal, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Nagpur to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis wef 1-4-79 (FN) vice Shri K. V. Vasudevan, Assistant Communication Officer granted earned leave for 61 days wef 1-4-79 and to post him at the same station.

New Delhi, the 28th April 1979

No A 39013/5/79 EA —The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Government service of Shri M S Sundaram, Asstt Aerodrome Officer, Hyderabad Airport, with effect from the 22nd March, 1979 (AN)

V V. JOHRI, Asstt Dir Admn

New Delhi the 3rd May 1979

No A 12022 1/79 EA —The President is pleased to appoint Shri K S Bedi, an officiating Grade IV officer of Indian Statistical Service to the post of Statistical Officer in Civil Aviation Department with effect from the 12th April 1979 (Forenoon) and until further orders

C K VAISNA, Asstt Dir Admn

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd May 1979

No 1/338 79 Est —The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A K Bose, Superintendent, New Delhi Branch, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 25th May, 1978 and until further orders, purely on *ad hoc* basis

H I MALHOTRA, Dy Dir (Admn)
for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi the 28th April 1979

No A 19012/690/78 Adm-V —The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri Thamanjit Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 14th April, 1978 till the post is filled on regular basis

No A 19012/712/78-Adm V —The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri T Kannan, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 5th May, 1978 till the post is filled on regular basis

J K SAHA, Under Secy
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 26th April 1979

No. 23/2/77-ECII —The following officers of Central Public Works Deptt on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Govt Service with effect from 31-3-1979 AN.

Name	Office from where retired
1 Shri S. R Chakraborty	Executive Engineer (Civil), Income Tax Deptt Valuation Cell, Calcutta.
2. Shri S G Chakraborty	Executive Engineer (Civil) Valuation Cell, Income Tax Deptt, Dibrugarh.

1

2

3 Shri B M Ghosh

Executive Engineer (Civil) Valuation Cell, Income Tax Deptt Ajmer

4 Shri M B Ahuja

Executive Engineer (Elec), EO to Chief Engineer (Elec) New Delhi

Th 1st May 79

No 33/5/78-ECIX —The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U P S.C as Assistant Architect against temporary posts in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the dates and pay shown against each —

S. No.	Name	Date of apptt. as Assistant Architect.	Pay
1	R N. Kanodia	4-4-1979(FN)	Rs 810/- p.m (next date of increment 1-4-80)
2	B M Kapoor	28-3-1979(FN)	Rs. 710/- P.M. (next date of increment 1-3-80)

2. Both the Officers are placed on probation for a period of two years from the dates of their appointment as Assistant Architects as shown above.

3 Shri Kanodia will continue to work in Senior Architect (NZ) X Unit, CPWD, R K Puram, New Delhi. Shri Kapoor is posted in Senior Architect(NZ)X Unit, CPWD, R K Puram, New Delhi with effect from 28-3-1979 (FN)

KRISHAN KANT
Dy Director of Administration

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 18th April 1979

No Admn/17-22/73 —The Director of Audit, Northern Railway is pleased to appoint S/Shri Natha Lal Chopra, Tilok Chand Batta, Amar Nath Hans and Amolak Singh officiating Audit Officers in a substantive capacity in the Audit Officers grade with effect from 1-4-78, 1-4-78, 1-9-78 and 1-12-78 respectively

KM BHARTI PRASAD, Dy. Dir. of Audit
Northern Railway

REGISTRAR OF COMPANIES, GUJARAT

NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of the Companies Act 1956 and
M/S Trimurti Agro Chemicals Ltd

Ahmedabad-380009, the 3rd May 1979

No 2047/Liquidation —By an order dated 11-10-1978 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No 37/1977 it has been ordered to wind up M/S Trimurti Agro Chemicals Ltd

J. G. GATHA, Registrar of Companies
Gujarat

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM

Cochin-682016, the 27th April 1979

Ref. L.C. 296/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kayamkulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 9-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Fathima Bai & Others,
Puthenpandakasala,
Chirakkadavu, Kayamkulam.

(Transferor)

(2) Shri P. R. Nagu & Others,
S/o P. Rajappan Pillai,
Saranam Ayyappa Bhavan, Cheravally, Kayamkulam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 cents of land with building No. KMC XXIV/63 of Kayamkulam Village.—vide schedule to Document No. 1889/78 of SRO, Alleppey.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam,

Date : 27-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1979

Ref. No. ASR/BTL/79-80/23.—Whereas I, M. L. Mahajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land measuring 52 Kanals, Chahal Teh. Batala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on 30th Aug. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—'

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghbir Singh son and Smt. Joginder Kaur-Bhupinder Kaur-Bikramjit Kaur-Suvinder Kaur-Daljit Kaur Ds/o Sh. Inder Singh Resident of Chahal Tehsil Batala.

(Transferee)

(2) Shri Sucha Singh Jagat Singh-Chanan Singh ss/o Sh. Kishan Singh resident of Chahal Tehsil Batala P.O. Batala.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 52 Kanals situated at village Chahal Tehsil Batala as mentioned in the Regd. Deed No. 3773 of 30-8-78 of Registering Authority, Batala.
Date : 1-5-1979.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdit Singh s/o Isher Singh Batala, Faizpur Road.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1979

Ref. No. ASR/BTL/79-80/24.—Whereas I, M. L. Mahajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Building (173'x26') situated at Faizpur Road, Batala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala on 27 Sep. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Shri Gurdit Singh s/o Isher Singh Batala, Faizpur Road.
(Transferor)
- (2) Shri Rajeev Kumar s/o Gosian Bhawani Dass 1/2 share Som Nath s/o Shri Kundan Lal 1/2 share, Faizpur Road, Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

20 Marlas land alongwith a shed (moulding shed building) measuring 55'x26', situated at Faizpur Road within Municipal limits, Batala as mentioned in the Regd. Deed No. 4044 dated 27-9-78 of Registering Authority, Batala

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th April 1979

No. Acq. 23-I-1919(809)/10-I/78-79.—Whereas, I, S. C. Parikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (1/2 share in land & building) C. S. No. 80A6 situated Near Sajuba Girl's High School, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 14-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—76GI/79

- (1) Shri Durbhalji Dayalji Budh and
2. Shri Kishor Pranjivan Budh,
Partners of :
M/s. Bimalkishore & Co.
Near Galaxy Talkies,
Jamnagar.
(Transferor)
- (2) Mukta Trusteeship Company Pvt. Ltd., 7-Donated
Cross Land, Bombay-9.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Bhawan Khimji;
2. Shri Bhupatsing Savji;
3. Shri Keshavji Amarshi;
4. Shri Mangal Amarshi;
5. Shri Natwarlal Hiralsad
6. Shri M. M. Lakhani.
7. Shri Ravishanker Dayashanker.
8. Shri Vithal Pragji.
9. Shri Jeram Dasa.
10. Shri Ratilal Mayashanker.
11. United Commercial Bank.
All residing :
Opp. Sajuba High School, Dipak Talkies, Jamnagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in land and building bearing C.S. No. 80A6 standing on total land admeasuring 1319.70 sq. meters, situated near Sajuba Girl's High School, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 1741 dated 14-8-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 25-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I
MADRAS

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 41 Aug. 78.—Whereas I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 'High Field Estate' situated at Asamboor Village, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud on 21-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Chairman,
(Father Michael Doraiswamy),
Salem Diocese Society,
Bishops House,
Salem-7.

(Transferor)

(2) Smt. K. R. Lalitha,
W/o. Dr. K. N. Rangachari,
116-A, Omalur Main Road,
Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property as in Document no. 148/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 27-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 27th April 1979

Ref No 42 Aug 1978 —Whereas I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

'High Field Estate' situated at Asamboor Village, Yercaud Taluk (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Yercaud (Document No 149/78) on 21/8/1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) The Chairman
(Father Michael Doraiswami)
Salem Diocese Society,
Bishops House
Salem-7

(Transferee)

(2) Shri T. S. Narasimhan,
49, Bungalow Street,
Shivapet,
Salem-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of property as in Document No 149/78, viz 'High Field Estate' (Total extent 223 41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud T. Salem Dt

O ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date 27-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) The Chairman,
 (Father Michael Doraiswami)
 Salem Diocese Society,
 Bishop's House,
 Salem-7.

(Transferors)

(2) Shrimt. K. R. Vasantha,
 W/o. Shri K. S. Rengachari,
 99, Adivenachalapati Iyer St.,
 Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 43 Aug. 79.—Whereas J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 'High Field Estate', situated at Asamboor Village, Yercaud Taluk
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 159/78) on 21 Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property as in Document No. 150/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk, Salem Distt.

O. ANANDARAM
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Madras-600 006.

Date : 27-4-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 44 Aug. 78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'High Field Estate' situated at Asamboor Village, Yercaud Taulk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 151/78) on 21 Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Chairman,
(Father Michael Doraiswami),
Salem Diocese Society,
Bishop's House,
Salem-7.

(Transferor)

(2) Smt. T. N. Vairamani,
W/o. Shri T. S. Narasimhan,
49, Bungalow St.,
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property, as in document no. 151/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Dt.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 27-4-1979.
Seal :

FORM I T N S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.(1) The Chairman,
(Father Michael Doraiswami),
Salem Diocese Society,
Bishop's House,
Salem-7.

(Transferor)

(2) Miss T. N. Geetha,
D/o. Shri T. S. Narasimhan,
49, Bungalow Street,
Shevapet,
Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 45 Aug. 1978.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 'High Field Estate', situated at Asamboor Village, Yercaud Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 152/78) on 21 Aug. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property, as in Document No. 152/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 46 Aug. 78.—Whereas I, O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 'High Field Estate', situated at Asamboor Village, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 153/78) on 21-8-1978, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Chairman, (Fr. Michael Doraiswami), Salem Diocese Society, Bishop's House, Salem-7.

(Transferor)

(2) Shri T. N. Sekar,
S/o. Shri T. S. Narasimhan,
49, Bungalow Street,
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property, as in Document No. 153/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

O.ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 27-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE
BHATINDA**

Bhatinda, the 7th May 1979

Ref. No. AP 555/BD/79-80.—Whereas I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Sept. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Miss Krishna Kumari Uif Krishna Devi d/o Mohan Lal 387-A, Power House, Road, Bhatinda.
(Transferor)

(2) S/Sh. Bakshish Singh, Gura Singh ss/o Jagir Singh
(2) S/Sh. Sukhdev Singh, Ranjit Singh ss/o Sarwan Singh, V. Tungwali, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(person in occupation of the property).
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey building on Power House Road, Bhatinda as per registration deed No. 3507 of September 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 7-5-79.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pritam Kaur wd/o Mohan Lal H No. 387-A,
Power House Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) S Sh Bakshish Singh Guru Singh ss/o Jagir Singh
(2) S/Sh. Sukhdev Singh, Ranjit Singh ss/o Sarwan
Singh, V. Tungwalli, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
BHATINDA

Bhatinda the 7th May 1979

Ref. No. AP 556/BTI/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule
situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhatinda on Sept 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Double storey building on Power House Road, Bhatinda as per sale deed No. 3506 of September, 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :
16—76GT 79

Date : 7-5-79.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th April 1979

Ref. No. AR-J/4024-7/Oct.78.—Whereas I, V. S. Seshadri, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 546 of Mal & Cum. III Divn. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 6-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Jagdish Amratlal Karia. (2) Dalip Balachand Mehta.

(2) (1) Rupshi Jechand Sheth, and (2) Mrs. Premubai Rupshi Sheth

(Transferor)

(Transferees)

(3) Tenants :—

1. Mrs. Shakuntala Kadani.
2. Mis. Rukhiben Shamdasani.
3. Rupshi Jechand Sheth,
4. V. V. Adarkar,
5. B. S. Kasbekar,
6. J. Mehta & Co. (Part of outhouse).
7. Mr. V. Y. Tonte, (Party of 1st flr of outhouse)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 586/78 & D (Bom) and registered on 6-10-1978.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 27-4-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1979

Ref No. AR-I/4066-39/Oct.78.—Whereas I. V. S. Sheshadri being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 10/593 of Malabar Cumballa Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-10-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. K. J. Khambatta, 2. B. H. Bhiwandiwalla, 3 T. P. Mehta, 4. P. K. Khambatta, the present Trustees of Late Seth Phiozeshah R. Mehta & Bai Dinbai Phiozeshah Mehta Charity Trust.

(Transferor)

(2) Mrs. Nazli A. Tobaccowala S. A. Tobaccowala and M. H. A. Tobaccowala Kailash Darshan Kennedy Bridge, Bombav-7.

(3) List of Tenants :

1. Mrs. A. M. Zawani
2. Sultan Nathani
3. H. G. Malkani
4. P. R. Wallace & Sons
5. Mrs. P. B. Tata
6. M. J. Choksi
7. Mrs. R. F. Allana
8. Mrs. R. I. Allana (1 Garage)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 1289/77 and Registered on 21-10-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date : , 30-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. Madhuri Sinha Chowdhury,
(Transferor)
- (2) Mrs. Manashi Roy Chowdhury,
(Transferor)
- (3) Nilon Synthetic Co.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,
54 RASH AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta the 24th February 1979

Ref. No. Sl. 480 TR-457/C-406/Cal-II/78-79.—Whereas I, V. S. Juneja, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Orient Row, Park Circus, Cal-17, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Agent Sealdah, Calcutta, on 2-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land of 450 Sqft being portion of undivided land measuring 3 Cot. 2Ch. along with 2 storied building situated thereon at 3, Orient Row, Calcutta-17 with Deed No. 4560 and registered with the Sub-Registrar on 2-8-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
54 Rash Ahmed Kidwai Road (3rd Floor)
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 24-2-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr Phanindra Nath Brahmachari and Dr. Nirmal Kumar Brahmachari both of 19, U. N. Brahmachari St., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Milli Educational Organisation,
10, Tantibagan Rd., Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th February 1979

Ref. No. SI. 481/TR-388 C-372, Cal-1 /8-79.—Whereas I, I. V. S. Juneja, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, 43/1 & 43/2 situated at Beniapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at 5, Govt Place North Calcutta on 14-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-storied building with land measuring 14 Cottahs 15 ch 19 sft. more or less being premises Nos. 43, 43/1 & 43/2 Beniapukur St., Calcutta and registered with Registrar of Assurances, Calcutta being No. 14075 dt. 14-8-78

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Dated : 26-2-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

FORM ITNS

(1) Shri J. Misra B-23, Greater Kailash, New Delhi-48.
(Transferor)

(2) Shri S. R. Ganeriwala & Sons, 99E, Block-F, New Alipore, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th February 1979

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 25/S situated at Block-B, New Alipore, Calcutta-53,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 2-8-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 6.92 cottahs being plot No. 25/S, Block-B, New Alipore, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Radhamani Paul, 22, Ballygunji Park Rd., Flat No 402, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Sitaram Goel, 207, Maharshi Debendra Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th March 1979

Ref. No. AC-47/R-II/Cal. 78-79.—Whereas I, S. C. YADAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/2A, situated at Burdwan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Registrar of Assurances, Calcutta on 21-8-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6-Cottahs 13-chittaks & 21-sq. ft. being premises No. 2/2A, Burdwan Road, Calcutta.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Calcutta-16

Date : 6-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta the 6th March 1979

Ref. No. Ac-48/R-II Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23A/156 2, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Distt Registrar, 24-Parganas, Alipore, on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Protima Ghosh, C/o., Mr. A. R. Ghosh, No. 15, Sarat Chatterjee Avenue, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Shri Sanat Kumar Saha 107 'T' Block, New Alipore Calcutta-53
(Transferee)
- (3) (i) M/s. Industrial Ventilation Co
(ii) Mr. E. W. Edhe,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 371.23 sq. metres together with three storeyed building being premises No. 23A/156/2, Diamond Harbour Road Calcutta

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Calcutta-16

Date : 6-3-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Goenka, 9, Jagmohan Mullick Lane, Calcutta-7.
(Transferor)

(2) Shri Vinod Kanoi, 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1979

Ref. No. Ac-49/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Ashoka Road, Alipore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 16-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs, 14-chittaks & 7-sq. ft. being a portion of 6, Ashoka Road on the south-west corner thereof, Alipore, in the District of 24-Parganas.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—76GI/79

Date : 8-3-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sambhu Nath Chunder 31, Tarachand Dutta St., Cal.
(Transferor)(2) Shri Sachin Nath Kumar & Mrs. Kalpana Kumar
154/H/1 Linton St., Calcutta.
(Transferee)(3) M/s. Canton Carpentry Works.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1979

Ref. No. Sl. 489/TR-392/C-368/Cal-I/78-79.—Whereas I, I. V. S. Juneja, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79 situated at Dr. Lalmoni Bhattacharya Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 9-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(3) M/s. Canton Carpentry Works.

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North-western portion of premises No. 79, Dr. Lalmoni Bhattacharya Road, Calcutta, together with a portion of one storied dilapidated building containing land 5 Cottahs 4 chittacks 18 sft. as registered with the Registrar of Assurances Calcutta vide deed No. I-3949 dt. 9-8-1978.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Calcutta

Date : 12-3-1979

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1979

Ref No AC-51/R-II/Cal/78-79 —Whereas I, S C Yadav being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 11 situated at Branfield Row, Calcutta 27, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Distt Registrar, 24-Parganas, Alipore on 1-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Smarajit Sinha 11, Branfield Row, Calcutta-27 (Transferor)
- (2) Smt. Suniti Biswas, 40A, Branfield Row, Calcutta-27 (Transferee)
- (3) (i) Shri Muktar Singh, (ii) Ramadhar Singh, (iii) P. N. Singh, (iv) Murali Das, (v) R. P. Singh (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two-storeyed brick built building known as 'Servants Quarters' comprising of an area of 30 cottahs, 4-chittaks & 20-sq. ft. situated on the north-west portion of the premises No 11, Branfield Row, Calcutta-27

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Calcutta-16

Date 16-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1979

Ref. No. AC-52/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42 situated at Ekbalpore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas, Alipore on 22-8-1978 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Ramola Devi, 42, Ekbalpore Road, Calcutta-23.
(Transferor)
- (2) Shri Mohammed Ayaz, 189, Park Street, Calcutta-17.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 10-cottahs, 4-chittaks & 22-sq. ft. with two-storeyed pucca brick built building being premises No. 42, Ekbalpore Road, Calcutta-23.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Dated : 21-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Suburban Agriculture Diary and Fisheries Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Shri Pulak Ranjan Deb

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd March 1979

Ref No AC 78/Acq R IV/Cal/78 79—Whereas, I,
S K DASGUPTA
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Mouza Chakgaria situated at P S Kasba, C S Dag No 1 Dist, 24-Pgs
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 14-8-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —
 15—66GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15 bighas situated at Mouza Chakgaria, P S Kasba, C S Dag No. 1, Dist 24-Pgs, more particularly as per deed No 4833 of 1978

S K DASGUPTA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated 22-3-1979
 Seal

FORM ITNS

(1) Suarban Agriculture Diary & Fisheries Pvt. Ltd.
 Ltd.
 (Transferor)

(2) Shri Pulak Ranjan Deb.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd March 1979

Ref. No. AC-79/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Chakgaria situated at P. S. Kasba, R. S. Dag No. 1, Dist : 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15 bighas situated at Mouza Chakgaria, P.S. Kasba, R. S. Dag No. 1, Dist., 24-Pgs., more particularly as per deed No. 4952.

S. K. DASGUPTA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Dated : 22-3-1979
 Seal :

Acquisition Range-IV, Calcutta.

FORM ITNS

(1) Md. Yakub.

(Transferor)

(2) Shri Akbar Ali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 26th March 1978

Ref. No. Sb. 490 TR-396/C-343/Cal-1/78-79.—Whereas, I, V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Blockman St., Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storeyed building without houses along with land measuring 4 Cot. 6 Ch 8 Sft. being premises No. 5, Blockman St., Calcutta registered before the Registrar of Assurance, Cal. being No 1-4035 of 1978.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Dated : 26-3-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kamal Krishna Ghosh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 27th March 1979

Ref. No. 464/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/2A situated at Garcha First Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) M/s. Hindustan Enterprise, 2A, Garcha 1st Lane, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 7 cottahs 4 chittacks 21 sq. ft. together with building standing thereon at premises No. 3/2A, Garcha 1st Lane, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukumar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Pada Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28 March 1979

Ref. No. AC-80/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Mouza 92 Krishna Nagar situated at P. S. Kotwali, Dist. Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 25-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (with structure) measuring 11 acres at P. S. Kotwali, Mouza 92 Kishna Nagar, Dist., Nadia, more particularly as per deed No. 9109 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Calcutta.

Dated : 28-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18-76GI/79

FORM ITNS—

(1) Shri Sri Sukumar Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th March 1979

Ref. AC-81/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,
S. K. DASGUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Mouza No. 92 Krishna Nagar situated at P. S. Kotwali,
Dist : Nadia No.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Nadia on 28-8-1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (with structure) measur-
ing 11 acres at P. S. Kotwali, Mouza no. 92 Krishna Nagar,
Dist : Nadia, more particularly as per deed no. 9120 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 28-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kalabati Debi Swarup.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balai Chand Ghosh & Smt. Priyabala Ghosh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th March 1979

Ref. No. AC-82/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S K. DASGUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nachan Road situated at Benachity, Durgapur-13, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 4-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs at Nachan Road, Benachity, Durgapur-13 Dist. Burdwan, more particularly as per deed no. 3855 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Dated : 28-3-1979.
Seal :

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Rebanta Basu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Janmenjoy Rang,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 4th April 1979

Ref AC-1/Acq R-IV/Cal/79-80 —Whereas, I,
S K DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Kh No 1785 situated at Mouza Tardah, P S Bhangore,
Dist 24-Pgs
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barasat on 17-8-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 549 acres situated at Mouza Tardah P S Bhangore Katian No 1785, Dist 24-Pgs Dag No 1465 covered and transferred by and more particularly described in the deeds being nos 2383, 2384 and 2385 all for the year 1978

S K DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 4-4-1979
Seal

FORM ITNS—

(1) Sri Rebanta Basu

(Transferor)

(2) Sri Shish Chandra Rang.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No AC 2/Acq R IV/Cal/79-80—Whereas, I, S K DASGUPTA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

I L No 38 Mouza Tardah, P S Bhagore, Dist -24-Pgs and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 17-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.66 acres situated at Mouza Tardah P S Bhagore JL No 38 covered and transferred by and more particularly as per deed Nos 2386, 2387 of 1978

S K DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Rebanta Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Abhimanyu Rang.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No. AC-3/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Khatian No. 1785, situated at Mouza Tardah Kapashat, P.S. Bhangore, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 24-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.66 acres situated at Mouza Tardah Kapashat, P.S. Bhangore, kh. No. 1785, Dag No. 1465, Dist. 24-Parganas, covered and transferred by and more particularly as per deeds being No. 2427 and 2428 both for the year 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 4-4-1979

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mritunjoy Rang.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, J. S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khatian No. 1274 situated at Mouza Tardah Kapashat, Dist. 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5.49 acres situated at Mouza Tardah Kapashat, P.S. Bhangore, Kh. No. 1274, Dag No. 1465 Dist. 24-Pgs. covered and transferred by and more particularly as per deed Nos. 2429, 2430 and 2431 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 4-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—66GL/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No. AC-8/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J.L. No. 110 situated at P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 9-8-1978 and 22-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jhabarmall Pipalwa @ Sharma, Gandhar Pipalwa @ Sharma, Kishore Kumar Pipalwa @ Sharma, Ashoke Kumar Pipalwa @ Sharma, Pawan Kumar Pipalwa @ Sharma and Lalit Kumar Pipalwa @ Sharma.

(Transferor)

(2) Shyama Devi Agarwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .060 acres & building thereon situated at District Darjeeling P.S. & Mouza Siliguri, J.L. No. 110, Kh. No. 2395, Plot No. 8486, as more particularly described in and covered and transferred by the deeds being No. 4579 dated 7-8-78 and 4671 dated 14-8-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Raft Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16,

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 285-A/PN/Sahai input/78 79.—Whereas, I,
B C CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sahai input on 28/9/78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
19—76GI/79

(1) Smt. Savitri Devi w/o Sri Deep Chand r/o village Kapoorpur Ramnagar Post, Pauri Tah & Distt. Saharanpur.
(Transferor)

(2) Saidar Swarup Singh s/o Saidar Mahtab Singh, Raj Kumar, Ashok Kumar, Pawan, Haveli Ram r/o Guruwara Road, Saharanpur.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Kapoorpur sold for an apparent consideration of Rs. 37,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 56,760/-

B C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Dated : 27-3-1979

Seal :

FORM ITN S— --

- (1) Shri Asmar s/o Budhu village Kendaki Post Bhopali Parg. & Teh. Deoband, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Nathu r/o village Talhedi Parwan Nagal Distt. Saharanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 292-A/PN.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoband on 19-9-78 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Talhedi Parg. Nagal, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 55,320/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt Malti Dubey w/o Late Budha Pd. Dubey 118/233 Kaushalpuri, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Ashutosh Lal Srivastava s/o Sri Ishwari Pd. Srivastava 118/214 Kaushalpuri, Kanpur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 374-A/Pn/Kanpur.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Kanpur on 27-10-1978
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consider-
ation and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publ-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kakadco, Kanpur sold for an apparent considera-
tion of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been
determined at Rs. 75,600/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 775-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakur on 3-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Mahendra Kumar s/o Lala Tirachand Jain r/o Saharanpur Mohalla Ramnagar Mukhtar-ai am of misjanil Smt. Mahali w/o Roshan Lal r/o Muzaffarnagar Mohalla Jain Mandir.

(Transferor)

(2) Shri Satyapal s/o Sultan Singh village Sahajani Post Machdhar Hedi Paing & Tah. Nakur Distt. Sharapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural situated at village Sahajani sold for an apparent consideration of Rs. 15,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 53,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mst Majidin w/o Miran r/o vill, Assampur Post Rampur Pargana Faizabad Tah. & Distt. Saharanpur (Transferor)
- (2) Shri Mohd Hasan Pisar Bhura s/o village Alampur Post Rampur Pargana Faizabad Tah. & Distt. Saharanpur (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref No 776 A/78-79 Whereas I,
B C CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 5-10-78
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Aalampur sold for an apparent consideration of Rs. 41,000/- the 'air market value of which has been determined at Rs. 69,000/-.

B C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-3-1979
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 777-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Saharanpur on 6-10-1978,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sardar Kewal Singh, Sardar Gurdeo Singh s/o
Sardar Guvachan Singh village Nalheda Ved Begampur
Post & Pargana Haroda Tahsil & Distt. Sharanpur.
(Transferor)

(2) Shri Sardar Jagendra Singh Sardar Mahendra Singh
Pistan Sardar Mohan Singh village Ihamula Post
Handayana Tah. Barnala Distt. Sangrur (Punjab) Hal
r/o village Nalheda Ved Begampur Post & Parg.
Haroda Tah. & Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Nalheda Ved Begampur
Pargana Haroda District Saharanpur sold for an apparent con-
sideration of Rs. 69,875/- the fair market value of which has
been determined at Rs. 99,868/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gaya Prasad s/o Banshidhar r/o Asdhana Post
Vari Mahven, Ghatampur, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Shri Ram Kumar, Shiv Kumar s/o Banshidhar village
Kumakt Post Dhaoni Pargana Chatampur Distt.
Kanpur Smt. Sharda Devi w/o Brijnandan w/o Vimlesh
Kumar Uif Shailani i/o Maghia Kheda, Majia
Damokar Post Devari Bujari Tah. Pithali Distt.
Fatehpur, Bideo, Shiv ram, Shiv Narain Aa. Kud r/o
Kumkhara Post Dhamma Bujurg Pargana Ghatampur, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 787-A/Kanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghatampur on 2-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land situated at village Pathkhoru Pargana Ghatampur sold for apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 72,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

Dated : 27-3-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 789-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that
 immovable property having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and part of bearing No.
 As per Schedule situated at As per Schedule
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Budhana on 17-10-78
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Huzama Begum w/o Idris Beg r/o Kanchala Pargana Kanchala Tah. Buhana Distt. Muzaffarnagar.
 (Transferor)
- (2) Shri Fayaz Ahmad, Raflq Ahmad s/o Abdul Ajit, Amir Ahmad, Abdul Ajit sons Haji Allabanda, Latif Ahmad s/o Amit Ahmad, Smt. Khanul Nishya w/o Fayaz r/o Pargana Kanchala Tahsil Budhana Distt. Muzaffarnagar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kanchala sold for an
 apparent consideration of Rs. 77,655/- the fair market value
 of which has been determined at Rs. 142,368/-.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the
 said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
 the aforesaid property by the of this notice under sub-section
 (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to
 the following persons, namely : —

Dated : 27-3-1979
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Rameshwar Saran Gupta s/o Dr. P. L. Gupta
r/o 1/12 Shanti Niketan, New Delhi-11020.
(Transferor)
- (2) Shri Hariyab Kaur w/o Niranjan Singh Sakin village
Nagala ber Post Kachiyana Distt. Gaziabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref No. 800-A/G/bnd 78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Meerut on 21-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property situated at Manoranjan Park, Saket,
Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 150,000/-
the fair market value of which has been determined at Rs.
210,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

20 -76GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref No. 821-A/G bad/78 79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No

As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Gaziabad on 3-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Lal s/o Sri Gurdyal, Smt. Risala Devi
w/o Sri Kishan Lal r/o 294 Malivada, Gaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rameshwari Devi w/o Dharamvir Yadav village
Sharfabad, Post Parthala Parg & Tah. Dadari
Distt. Gaziabad, Smt. Dhaneshwari w/o Om Prakash
r/o village Harsnu Pargana Dasana Distt. Gaziabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Malivada, Gaziabad sold for an
apparent consideration of Rs 40,000/- the fair market value
of which has been determined at Rs 75,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 27-3-1979

Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Rajpal & Mahipal Singh sons of Phool Singh village Mohammad Muradpur Urf Sholda Pargana Kithaur, Mawana (Meerut).

(Transferor)

(2) Shri Banshi & Chandar s/o Gopal & Harchand s/o Mangal Singh village Hasanpur Pargana Kithaur Tahsil Mawana Post Khas Distt. Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 825-A/Meerut/78-79 — Whereas, I,

C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at As per Schedule and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mawana on 5-10-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration referred by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as referred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Sholda, Mawana, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 39,072/- the fair market value of which has been determined at Rs. 63,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

I, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 846-A/M Nagar/78-79. Whereas, I,
 B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 As per Schedule situated at As per Schedule
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Jansath on 29-9-78
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
 the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or the assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

- (1) Shri Mist. Jahur Fatma r/o Ali Hsan r/o Jauli Pargana Jauli, Jansath, Distt. Muzaffarnagar.
 (Transferor)
- (2) Shri Ali Jauhar s/o Mohd. Aizaz r/o Jauli Pargana Jauli, Jansath Distt. Muzaffarnagar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Jauli sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 113,864/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur

Dated : 27-3-1979
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 849-A.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto) has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mawana on 22-9-78
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Prahla Singh s/o Amir Singh village Madauli
Sadullapuri Pargana Kithaur Post Madalwala Distt.
Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Autma Singh, Meju Singh sons of Gurdyal Singh
r/o village Salauth Rasul Panad Post Gaisupur Par-
gana Kithaur Tahsil Mawana (Mectut).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA in the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or the assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Shadipur sold for an
apparent consideration of Rs. 11,100/- the fair market value
of which has been determined at Rs. 55,520/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Sukhvir Singh, Jai Prakash, Bramha Prakash sons of Chaudhari Charan Singh village Kalina Post Khas Pargana & Tah & Distt Meerut
 (Transferor)
 (2) Shri Om Prakash s/o Chaudhari Bhagwan Sahai vill Kalina Post Khas Pargana, Tah & Distt Meerut
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No 861 A Meerut 78 79 —Whereas, I,
B C CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 ('6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-9-78
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kheri Nyad Kalma Pung Hah & Distt Meerut sold for an apparent consideration of Rs 30 000/- the fair market value of which has been determined at Rs 78,960/-

B C CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range Kanpur

Dated 27-3-1979
 Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Gopal s/o Lala Janki Prasad under guardian of Kanhaiya Lal Smt. Lilawati w/o Ram Gopal and others r/o Mohalla Chauhan Kasba Firozabad Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Shri Babu Lal, Bal Kishan sons of Lala Nirottam Das, Smt. Premvati w/o Lala Nirottam through Babulal, Sitaram s/o Bal Kishan r/o Post Kheragarh Distt. Agra, Smt. Kusum Devi w/o Mahavir Prasad r/o Moti Katia Distt. Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1979

Ref No 845/Aca/Kheragath/78-79—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kheragarh (Agra) on 22-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable properties at village Kheragath Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 115,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 150,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 31-3-1979
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Zarafatunnisa Begum,
Widow of late Quazi Muqaddasuddin,
r/o Ismail Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Asghari Begum,
Daughter of Haji Ishtiyaq Ahmed,
Kashi, Parg. & Tehsil Meerut,
Distt. Meerut

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. Acq/761-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHFDUL F situated at AS PER SCHFDUL (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 13-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 43-44 (New No. 65) situated at Mashay Khan, Meerut (Ismail Nagar) sold for an apparent consideration of Rs. 62,000/-, fair market value of which is at Rs. 78,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Anuradha, w/o Shri Sardar Singh,
Village & P.O. Gesupur, Parg. Kithor,
Distt. Meerut.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. Satyapal Singh,
2. Surendra Singh,
3. Mahendra Singh,
All sons of Shri Hukam Singh,
R/o Village and P.O. Gesupur, Parg. Kithor,
Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 1st May 1979

Ref. No. Acq/851-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 26-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—76GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Gesupur Parg. Kithor, Distt. Meerut, sold for an apparent consideration of Rs. 65,040/-, fair market value of which is at Rs. 89,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajvir Singh,
R/o Bavli, Teh. Sadabad,
Distt. Mathura.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 523/Acq/Sadabad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 14-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) S/Shri
1. Suresh Chand,
2. Mahesh Chand,
3. Munna Lal,
4. Surendra Singh,
R/o Mohalla Deonagar, Firozabad,
Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Bauli, Tehsil Sadabad, Distt. Mathura, sold for apparent consideration of Rs. 33,700/-, fair market value of which is at Rs. 68,280/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Anuradha,
W/o Shri Saidar Singh,
Village & P.O. Gesupur, Parg. Kithor,
Distt. Meerut.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. Shoran Singh s/o Preetam Singh,
2. Ashok Kumar,
3. Vinod Kumar s/o Shoran Singh,
All resident of Village and P.O. Gesupur,
Parg. Kithor, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 1st May 1979

Ref. No. Acq/852-A/Mit/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mawana on 26-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Gesupur, Parg. Kithor, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 59, 984/-, fair market value of which is Rs. 82,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 1-5-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Ram Janki w/o Raja Ram Gupta,
R/o 54/57, Nayaganj, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Pt. Devi Sahai Pandey,
R/o G-12 Chhauni, Shanti Nagar,
Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. TR No. 500/Acq/KNP/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 130/L-I/6-A situated at Bagahi, Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 89,534/-, fair market value of which is Rs. 1,60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-5-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Jamshed Fatma,
2. Smt. Badrul Nisal,
Wives of Shri Fazlur-Rehman,
R/o Husainpur, Post Khas, Parg. & Teh. Budhana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Mahabir Singh,
2. Balbir Singh,
3. Mahipal Singh,
All sons of Shri Phara Singh,
R/o Village Deva, Post Khas, Parg. Chhaprauli,
Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. 311-A/Mecrut/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhana on 21-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Husainpur, Kalan, Parg. & Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar, sold for an apparent consideration of Rs. 39,270/-, fair market value of which is at Rs. 60,500/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Lilawati w/o Shri Darshan Lal Gupta,
R/o 40, Tilak Road, Dehradun.
(Transferor)
- (2) Shri Satyapal Kumar s/o Shri Laxman Dass,
R/o Jwalapur, Parg. Jwalapur, Te. Hardwar,
Distt. Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. Acq/832-A/D.Dun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haridwar on 18th August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 15488 sq. ft. situated at Aryanagar, Jwalapur, Parg. Jwalapur, Teh. Hardwar, Distt. Dehradun, sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/-, fair market value of which is at Rs. 1,03,200/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-5-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 18th May 1979

Ref. No. 186-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

(1) 1. Sukhvansh Narain Singh,
 S/o Ch. Raghuansh Narain Singh,
 2. Vinay Narain Singh,
 S/o Sukhvansh Narain Singh,
 3. Shri Ajayvansh Singh,
 S/o Sukhvansh Narain Singh,
 R/o Uttam Batika, Wester Kutchery Road,
 Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Singh s/o Shri Raghubir Singh,
 R/o Vill. Niwari, Par. Jalabad,
 Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 380, situated at Uttam Batika, Wester Kutchery Road, Meerut, sold for an apparent consideration of Rs. 35,000/-, fair market value of which is at Rs. 48,800/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 18th May 1979

Ref. No. Acq/848-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 20-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri
(1) 1. Jagat Singh,
2. Nareshpal,
Sons of Shri Gajraj Singh,
R/o Village Etamadpur, Parg. Kithor, Teh.
Mawana, Distt. Meerut.

(Transferor)

S/Shri
2. Zile Singh,
Minors through local guardian Shri Jagat Singh,
R/o Village Etamadpur, Parg. Kithor,
Teh. Mawana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Etamadpur, Parg. Kithor, Teh. Mawana, Distt. Meerut, sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/-, fair market value of which is at Rs. 99,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 551/Acq/Hathras/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 30-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Rambeti, w/o Shri Rajendra Prasad, 1/o Vill. Bagiawar, Teh. & Igla, at present residing at Vill. Parsauli, Parg. & Teh. Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferors)

(1) Gulzarilal, (2) Chetram, r/o Khera Parsauli, Parg. & Teh., Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Khera Parsauli, Parg. & Teh. Hathras, Distt. Aligarh, sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-, fair market value of which is at Rs. 61,130/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-5-79

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—76GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st May 1979

Ref No Acq/548/Aligarh/78-79—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iglas on 7-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devindutta, w/o Shri Naresh Prasad, r/o Parg. Gorai, Tehsil Igla, Distt Aligarh.

(Transferor)

(1) Arvind Kumar, (2) Raj Kumar, & (3) Komal Kumar, (4) Munesh Kumar, (5) Vijay Kumar (minors) all sons of Shri Shivdutta Sharma & (6) Smt Sbiv Kumari, w/o Shri Shivdutta Sharma, all 1/o Parg Gorai, Post and Tehsil Igla, Distt. Aligarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauza Igla, Distt Aligarh, sold for an apparent consideration of Rs 30,000/-, fair market value of which is at Rs 56,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date . 1-5-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nathilal, r/o Village Runakta, Teh.
Kirawli, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Leather Industries Pvt. Ltd.,
through Shri Kishan Lal Sachdeva,
Director, 7, Show Centre, Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st May 1979

Ref. No. TR No. 483/Acq/Kirawli/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kirawli on 2-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Khasra No. 897, situated at Village 'Runakta, Tehsil : Kirawli, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 1,05,000/-, fair market value of which is determined at Rs. 1,85,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. 185/Meerut/78-79.—Wheeras I, B. C.
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Niranjan Lal, adopted son of Shri Parshadilal, r/o Mohalla Jubleganj, Meerut Cantt.
(Transferor)
(2) Shri Krishna Chand alias Vishnu, s/o Lala Musaddilal, r/o Mohalla Jubleganj, Rajban, Meerut Cantt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building having two shops situated Mohalla Jubleganj, Rajban, Meerut Cantt. has been sold for a sum of Rs. 35,000/- the fair market value of which is Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVE
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Kan

Date : 25-4-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laxmi Narain, Satya Narain s/o Shri Dulichand Shukla r/o Ghatampur Post Ghatampur Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Krishna Shukla s/o India Narain Shukla 1/o Jamu Hal Mukam Gunthupur, Anand Kumar s/o Sri Jardin Piasad 1/o Gumra Hal Mukam Gunthupur Post Ghatampur Distt Kanpur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref No 841-A —Whereas I B C CHAURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

AS PER SCHEFDULE situated at AS PER SCHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ghatampur on 18.9.78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gunthupur Pargana Ghatampur Distt. Kanpur sold for an apparent consideration of Rs 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 55,000/-

B C CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 4th April 1979

Ref. No. 862-A.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 21-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Raghuvir Singh Pisar Budhan
r/o village Vadnoli, Pargana Sarava,
Tehsil Meerut.
(Transferor)
- (2) Shri Sukhmal Singh,
r/o village Vadnoli Pargana Sarvana Tchsil
Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Vadnoli Pargana Sarawan, District Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 28,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 56,550/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-79
Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Lala Trilok Chand Jain s/o Lala Girdhari Lal Jain r/o Kasba Chilkana Pargana Sultanpur Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Raj Dulari w/o Lala Ram Kishan Agarwal, Moh. Jafranvaj Khan, Khalapar (Saharanpur).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th April 1979

Ref. No. 772-A/Saharanpur/78-79.—Whereas J. B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHFDULF situated at AS PER SCHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 13-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property House and trees and machinery etc. measuring about 19 bigha and 5 biswa situated at village Patna Uif Nayan Bans Pargana Sultanpur Teh. Nakui Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 140,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 192,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-4-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ratan Lal s/o Phool Chand,
Murari Lal s/o Sukhlal,
Purshottam s/o Pattamal r/o Dulahi Kasba
Firozabad Distt. Agra.
(Transferor)
- (2) S/Shri Shahjad Ali, Shamshad Ali, Israt Ali
sons of Mir Shaukat Ali r/o Barai Husaini
Firozabad Distt. Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 16th April 1979

Ref. No. 555/Acq./F. Bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 4-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 61600 sq. ft. situated at Didamai Tahsil Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 61,600/- the fair market value of which has been determined at Rs. 85,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1979

Ref. No. 869/Acq./Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 4-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—76GI/79

(1) S/Shri Alok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra through Secretary Rajendra Singh Kulshrestha s/o Ram Charan Lal r/o Vishlochpura, Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Sharda Devi w/o Raj Kumar Singh Sengar r/o Alok Nagar, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property House No. 19C/10 situated at North Saket Alok colony Agra sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,700/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-4-79

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Virendra Singh s/o Radha Kishan
r/o Piatappura, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1979

Ref. No. 882/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 15-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property land measuring 878.636 sq. meter situated at village Rajpur Pargana Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 38,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) S/Shri Manohar s/o Ishwari
r/o Kakratia Khand Bhaisara
Post Raya Pargana Tahsil Mat Distt. Mathura.
(Transferor)
- (2) S/Shri Bachu Singh, Girraj Singh, Dori Singh
Varma sons of Roop Singh r/o Nagala South
Portion, Simara Pargana & Teh. Mat
Distt. Mathura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th April 1979

Ref. No. 500/Acq./Mat/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mat (Mathura) on 4-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Itrauli Tahsil Mat Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 69,440/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 20th April 1979

Ref. No. 381/Acq./Kan./78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kol (Aligarh) on 24-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Murari Lal Saxena s/o Jaydayal Saxena, Sarla Devi Saxena w/o Murari Lal Saxena Hal r/o A-37 South Extension Part I, New Delhi.
(Transferor)
- (2) S/Shri Mukesh Kumar, Rakesh Kumar, Vinod Kumar, Pramod Kumar minors sons of Sri Brindavandas under guardianship of Smt. Premvati Devi r/o Bavari Mandi, Aligarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House property Bhabhuwala Khana Tamira Pakka with Electric and hand pipe and chungi may security situated at Jayganj, Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-4-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Murali Lal Agarwal s/o Sukhlal Agarwal
r/o Mohalla Duh Kasba Firozabad
(Transferor)
- (2) S/Shri Dhurendra Kumar Gupta, Hari Om Gupta,
Anand Kumar Gupta, Sri Bhagwan Gupta sons of
Lala Satya Prakash Ji Gupta
r/o Mohalla Chandavar Gate Kasba Firozabad,
Distt Agra
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th April 1979

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref No 560/Acq /F Bad/78 79—Whereas I, B C CHATURVEDI

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on Oct 78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Firozabad, Agra sold for an apparent consideration of Rs 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 60,000/-

B C CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 20-4-1979
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S/Shri Sardar Chanan Singh,
r/o Ambala Road, Saharanpur.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri (1) Lalchand, (2) Hansraj, (3) Saganlal,
all sons of Rajadaram, and (4) Smt. Mirawa Devi,
w/o Shri Rajadaram, r/o Quarter No. G-26,
Gopalnagar, Numaish Campus,
Saharanpur.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 24th April 1979

Ref. No. Acq/284-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Saharanpur on 26-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Agricultural land measuring 15 bigha, 14 biswa, situated
at Mauza Khattriwala, Parg. & Tch. Wajila, Distt. Saharan-
pur, consisting of boundary wall, Tube-well with 5 HP
motor in working order and electric fittings sold at Rs.
48,000/-, fair market value of which is at Rs. 78,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-4-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. 170-A/PN/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PFR SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at Kairana on 14-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ramesh Chand s/o Lala Pyare Lal
r/o Kasba Samli Post Khas Parg. Shamli,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ravindra Kumar s/o Sri Khajan Singh
r/o Kasba Shamli Post Khas Pargana Shamli,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops area 200 and 280 sq. ft. situated at Bakey village Shamli Vaishya College Road, Pargana Shamli, Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 48,750/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 25th April 1979

Ref No 197-A/PN/M Naga/78-79 —Whereas I,
B C CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 21.9.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri Dhan Singh, Satyapal sons of Khajan, Shobharam s/o Kalva r/o Village Shivpuri Post Mirapur Distt Muzaffarnagar
 (Transferor)

(2) S/Shri Malkhan Singh, Baburam sons of Ghotan Singh r/o village Akbarpuri Garhi Post Mawana Distt Meerut
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION ~ The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

Agricultural land measuring 10 Bigha 7 Biswa situated at village Jamalpur Bangal Pargal Bhumma, Sambhal Heda Tahsil Jansath Distt Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 41,920/1

B C CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Ass't Commissioner of Income tax
 Acquisition Range, Kanpur

Date 25.4.1979
 Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Harpyani, w/o Ganeshi Singh,
1/o Vill. Kanla Rampur,
Saharanpur.

(Transferor)

(2) S Shri (1) Brahmjeet (2) Jagjit, minor sons of Shri
Ram Singh, 1/o Silhani, Majra Rampur,
Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. Acq/279-A/Saharanpur/78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Saharanpur on 30-9-78

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Rampur, Distt. Saharan-
pur sold for Rs. 45,000/- fair market value of which is at
Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—
24-76GI/79

Date : 25-4-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mangal s/o Sagar r/o village Nona Pargana
Khatauli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. 805-A/M. Nagar/78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jansath on 8-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Nona pargana Khatauli Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jamuna Devi, widow of late Shri Badri Prasad, r/o Bhitargaon, Parg. Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Saivesh Kumar, (2) Avdhesh Kumar, (3) Naresh Kumar, all sons of Shri Harivansh Nain, r/o Bhitargaon, P.O. Bari Bhitargaon, Parg. Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNLER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. Acq/842-A/KNP/78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghatampur on 27-9-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Bhitargaon, Parg. Ghatampur, Distt. Kanpur, apparent consideration of which is at Rs 40,000/- as against the fair market value at Rs 83,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-4-1979

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref. No. 302-A/PN/B. Shahar.—Whereas I, B. C CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 15-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bin Behari Gupta
S/o Sri Lala Gurdhari Lal
r/o Civil Lines, Bulandshahar

(Transferor)

(2) S/Shri Trilok Singh, Deep Chandra sons of
Sri Prabhu Singh, Shyamoshwar Singh
s/o Deep Chandra, Shyam Pal Singh,
s/o Trilok Chandra all resident of village Bharvedi
Shahar Anupshahar Bulandshahar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

House property (Area 2280 sq. yd.) situated at Mohalla Kothiyavan Distt Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 175,000 - the fair market value of which has been determined at Rs. 242,400/-.

B. C CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date, 26-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S/Shri Vijay Singh, Tara Singh s/o Lakhpat Singh, Karan Singh s/o Lakhpat Singh, Dainam Singh, Yogendrapal Singh s/o Karan Singh
r/o village Sarai Jagannath Pargana Sikandarabad.
(Transferor)

(2) S/Shri Rampal, Sunderpal s/o Nawab Singh, Virpal s/o Dharmendra Singh urf Dharampal Singh, Udaypal Singh s/o Vijaypal Singh
r/o village Sukhlalpuria Sikandarabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref. No. 833-A/B, Shahar 78-79—Whereas I,
B C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Sikandarabad on 18-9-78
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Janedpur Pargana
Sivay (Sikandarabad) sold for an apparent consideration of
Rs. 138,000/- the fair market value of which has been deter-
mined at Rs. 328,000/-.

B C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt Anuadha, w/o Shri Sardar Singh
r/o Vill & Post Gesupur Maig, Kithor,
Distt Meerut

(Transferor)

(2) (1) Sushil Kumar, & (2) Smt Shantidevi,
w/o Shri Jagdish, r/o Vill & Post Gesupur, Parg
Kithor, Distt Meerut

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref No 850 A/Mrt/78-79—Whereas I,
B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mawana on 26-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill Gesupur, Parg Kithor, Distt Meerut, sold for an apparent consideration of Rs 59 984/- fair market value of which is at Rs 82 500/-

B C CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 26-4-1979
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref. No. 860-A/G. bad/78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 25-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Kumar Goyal s/o Sri Bhurey Lal r/o Hal 127 Mohalla Kanhaiya Lal Thali Patvali, Manohar Lal Gupta s/o Iala Sagarmal r/o 287 Ritaganj, Gaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi w/o Satya Prakash, Raj Kumar, Pavan Kumar, Munesh Kumar sons of Satya Prakash r/o 43 Kailashbalan, Delhi Gate, Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 87 Area 200 sq. yd. situated at Navyug Market, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 130,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 240,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-4-1979

Seal :

FORM ITNS—---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref. No. 863-A/Mrt/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) S/Shri Vinod Kumar, s/o Lala Om Prakash, R/o Roorkee, Teh Khas, Distt Saharanpur.

(Transferor)

(2) S Shri Gyanendra Pandey s/o Shri G. D. Pandey, r/o Jawahar Quarters, Civil Lines, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the constructed bungalow No. H-3, bearing Municipal No. 86, situated at Jawahar Quarters, Civil Lines, Meerut, sold for Rs. 50,000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 83,500/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri P. C. Goel and Smt. Kumkum Goel,
both r/o K. B. 78/8-A, Kavindernagar,
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Jahan Begum, w/o
Syed Azizurrehman,
r/o 413, Gali Matia Mahal, Jama Masjid,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/286-A/GBD/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 4-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property (three storeyed) No. KB 78/8-A, situated at Kavinder Nagar, Ghaziabad, sold for an apparent consideration of Rs. 1,02,000/-, fair market value of which is at Rs. 1,40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th April 1979

Ref. No. Acq/794-A/Merut/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Umrao Singh, s/o Hoshiyar Singh, r/o Vill. Tugana, Parg. Chhaprauli, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Shyam Singh, (2) Ram Chandra Singh & (3) Munshi Singh, all sons of Shri Hoshiyar Singh, r/o Vill. Tugana, Parg. Chhaprauli, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Tugana, Parg. Chhaprauli, Teh. Baghpat, Distt. Meerut has been sold for Rs. 1,25,000/-, the fair market value of which is Rs. 1,86,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-4-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Munsharif s/o Sri Sherdin, Smt. Vakila w/o Munsharif r/o Phalavada Post Khas Tahsil Mawana Distt. Meerut.

(Transferors)

(2) Shri Narendra Kumar s/o Sri Vijaipal Singh, Satish Kumar s/o Sri Bhopal Singh r/o Mandwadi Post Phalavada Tah. Mawana, Distt. Meerut.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th April 1979

Ref. No. 826-A/Mit./78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 29-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Obejctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land situated at village Phalavada Tah. Mawana Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 43,900/- the fair market value of which has been determined at Rs. 92,800/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-4-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th April 1979

Ref. No. 764-A/D. Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 28-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Sewati Devi, widow Harishchand Gupta, 2. Anand Swaroop Gupta, 3. Raghunandan Gupta, 4. Pavan Kumar Gupta, 5. Pramod Kumar Gupta, sons and 6. Smt. Shrimati Gupta, daughter of late Ch. Amar Nath, r/o 44, Saharanpur Road, Dehradun.

(transferors)

(2) Smt. Shakuntala, daughter of Ch. Shree Ram, r/o Dhanirampura, Teh. Gulla, Distt. Kurukshetra, Distt. Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 65 (Old No. 44-A) situated at Saharanpur Road, Dehradun sold for Rs. 85,000/- as against the fair market value of Rs. 1,08,260/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-4-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th April 1979

Ref. No. TR No. 520/Acq./Etmadpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etmadpur on 18-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Laxmi Narain s/o Raj Narain r/o Azadgali, Agra, Vishnu Babu s/o Ram Babu r/o 136 Avatar Singh Road, Cantt. (Transferees)
- (2) S/Shri Firm G. C. Industries Bakes Langarey Ki Chowki Bajariye Anil Kumar s/o Raj Narain Agarwal r/o Azadgali, Agra. (Partner) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property Araji plot measuring 3000 sq. meter situated at village Naraich Mustakil Pargana Etmadpur Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 35,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Smt. Ramlali Choudhury, W/o L. Joynath Choudhury, A. R. Road, Gauhati.
 (Transferor)
- (2) 1. Shri Hukum Chand Jain,
 2. Shri Niranjan Chakravarty.
 (Transferee)
- (3) Shri Sarada Prasad Tewari, All resident of Gauhati.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, SHILLONG**

Shillong, the 10th May 1979

Ref. No. A-2/8/Gau/78-79/135-137.—Whereas, I. R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 572 and Patta No. 230 situated at Ulubari Town Mauza Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 23-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 2 (two) Katha 10 (ten) Lecha situated at Ulubari Town Mouza Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Shillong

Date : 10-5-79
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Yash Pal Lakhani S/o Sh. Chokha Ram alias Choka Nand R/o 88, Taneja Block, Adrashnagar, Jaipur.
 (Transferor)
- (2) M/s. H. S. Baswani & Co., Plot No. 291, Sector 24, Industrial Area, Faridabad.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. BGR/11/78179.—Whereas, I, E. K. Koshi, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 292, Industrial Area situated at Sector 24-Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 252 measuring 1288.88 sq. yards with construction situated at sector 24, Faridabad and as more fully described in the sale registration No. 3475, dated 23-8-1978 at the office of the Registering Authority, Ballabgarh.

E. K. KOSHI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1979

Seal :

